



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1500]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 17, 2018/चैत्र 27, 1940

No. 1500]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 17, 2018/CHAITRA 27, 1940

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 2018

का.आ. 1654(अ).—अधिसूचना का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार, जनसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है; जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, और यह सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना को अंतर्विष्ट करने वाले भारत के राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा ;

ऐसा कोई व्यक्ति, जो प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों के संबंध में कोई आपत्ति या सुझाव देने का इच्छुक है, वह विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए, अपनी आपत्ति या सुझाव सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड़, अलीगंज, नई दिल्ली-110003 को या ई-मेल esz-mef@nic.in पर लिखित रूप में भेज सकता है।

प्रारूप अधिसूचना

अचनकमार बाघ रिजर्व का क्षेत्र 914.017 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है और छत्तीसगढ़ राज्य में मुंगेली जिला के लोर्मी तहसील में स्थित है।

और, अचनकमार बाघ रिजर्व समृद्ध पर्यावास के लिए जाना जाता है जिसमें विविध प्रकार की वनस्पतियों और जीवजंतुओं में स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली तितलियों और विविध प्रकार के कीड़े मकोड़ों और समृद्ध जैवविविधता और वनों के साथ प्राकृतिक भू-दृश्य की सुंदरता के लिए मणियारी, कसनाई, रक्षक, मतिनाल शामिल है। अचनकमार बाघ रिजर्व की महत्वपूर्ण वनस्पति में मानीयारी, कसानाई, रक्षक, मातीनाला आदि शामिल हैं। जबकि बाघ रिजर्व की झाड़ियों में साल (सोराटा रोबुस्टा), साजा (टर्मिनलिया टोमेंटोसा), बीजा (पटेरोकार्पस मरसुपीयस), धयरा (अनोगेइस्स लटीफोलिया), हल्दु (अदीना कार्दीफलोरा), हर्पा (टर्मिनलिया चंबूला), कुसुम (स्केचेरा ओलेओसा), पदर (स्टेरेओप्सेरसुम सुअवोलेंस), कसाई (बरीदेलिया रेडुसा), लंदीया (लागेरस्ट्राइमिया परविफलोरा), जमुन

(सयगीयम कुमीनी), महुआ (मधुका इंडिका), काला-सीरिस (अल्बिजिया लेबेक), सीसम (डाल्बेरिया लटीफोलिया), खाइर (अकासिया कटेचु), कुल्लु (स्टेरेकुलिया अरेंस) आदि हैं। संरक्षित क्षेत्र से पर्वतारोहियों जैसे अचार (बुचानानिया लंजान), बरांगा (कयदीया कालेयचीना), टोंदरी (कसेरिया टोमेंटोसा), कचनार (बयहीनिया वेरिगाटा), अपमारग (अचयरांथुस असपेरा), वीवीदंग (इम्बेलिया रोबुस्टा), बंतुल्सी (गरेविया रोथी), धाविया (बूडफोर्दिया फ्लोरीबुंदा), चीरोटा (कसिया टोरा), बइबीरंग (इम्बेलिया टजेरम्कोट्टाम) आदि, महल (बयहीनिया वहलिया), पलासबेल (बुटेया सुपेर्ब), रामदाथून (सिमिलाक्स मकरोफयल्ला), पइबेल (कोम्बरेतुम दिक्ेंद्रम), रओनी (अकेशिया पेन्नाटा), दोकारबेल (किस्सूस रेपंदा) आदि अभिलिखित किए गए हैं।

और, अचनकमार बाघ रिजर्व में महत्त्वपूर्ण घासों और बांस (देंद्रोकालामस स्टीकटुस), चीरा (थेमेडा ओयादरीवल्बीस), छेइर (इमपेराटा सायलिंदरीकल), मुसेल (लसेइलेमा नेर्वोसुम), भुरभुरी (इराग्रोस्टीस टेनेल्ला), खास (बेटीवेरा जिजानीओइदेस), कुसाल (हेटरोपोगोन कोंटोर्टुस), सबाइ (इयुलाइओपसीस विनाटा) आदि हैं। अचनकमार बाघ रिजर्व से औषधीय पौधों जैसे सफेद मुसली (चलोरोफतुम तुबेरोसुम), काली मुसली (कुरुलीगो ओरचीओइदेस), तीखुर (कुरकुमा उतगुस्टीफोलिया) कवांच (मकुना परयरीइंस), मरोफलिया (हेलिकटेरेस इसओरा), सतवार (असपरागुस रेकेमोसुस) आदि अभिलिखित किए गए हैं।

और, अचनकमार बाघ रिजर्व में वन्यजीवों की प्रचुरता है क्योंकि इसमें बहुत बृहत् घास भूमि है जो कि शाकाहारियों के लिए एक अच्छा पर्यावास है और बाघ, पेंथर और अन्य मांसाहारियों के लिए समृद्ध शिकार का आधार है बाघ रिजर्व से महत्त्वपूर्ण जीवजंतु (पेन्थेरा टीगरीस), तेंदुआ (पेन्थेरा प्रड्यूस), रीछ (मेलर्सस अरसिनस), ऐक्सिस गौर (बूस गयरूस), चित्तीदार हिरण (एक्सिस एक्सिस), सांभर (रुसा यूनीक्लोर), मुंजक (मुनटीक्स मुनतजक), चौसिंगा (टेटराकेरूस कयदरीकोरनिस), बनैला सूअर (सस स्क्रोफ्रा), सियार (कैनिस ऑरियस), रैटल (मिल्लिवोरा कपेंसिस), अजगर (पायथन मोलुरुस), मोनिटर लिजार्ड (वरनुस मोनिटर), नाग (नाजा नाजा), अहीराज (बुंगरूस फससटस), रूसेल वीपेर (वीपेर रूसेल्ली) आदि अभिलिखित किए गए हैं। संरक्षित क्षेत्र में मुख्य पक्षी प्रजातियां जैसे बाटेर (परदीकुला असी असीअटीका), हरिअल (ट्रेोन फोइनीकोपटेरा), मोर (पवो करीस्टेटस), सारस (गरूस अतीगोना), तीतर (काला) (फरांकोलीनुस पिकटुस), फिंगा (दीकरूस लेयकोफउस), जाक्री (मुस्कीकापा दयरीका), कोइल (इयदयनमयस स्कोलोपकेया), पचनाक (लनीउस वीड्राटुस), कोतवाल (दीकरूस मकरोकेर्सुस), मयूर, मोर (पवो करीस्टेटस), पीलक (ओरीओलुस कुंदू), कटफोदवा (दीनोपीयम बेंघालेंसे), शमा (कोपसयशहुस मालाबरीकुस), शकारी मुनिया (लॉछुरा स्टेरीअटा), नीलरंग (कोर्निस टीक्किलीया), चितकबरा (पदकी) (स्टेपटोपेलिया चेनेंसिस), पुलक (कलांदरेल्ला बराचयदकटयला), लयबर टोटा (पसीट्टाकुला करामेरी), नेल्कांथ (केराकीअस बेंघालेंसिस) आदि पाई जाती है

और, अचनकमार बाघ रिजर्व में गुदमार (गयस्रेमा स्यलवेस्टरीस) हृदजोड (कीस्सूस क्यूअद्रांगुलारीस, सतपुड तेंदुआ छिपकली (इयलेफरीस हरदवीक्री), बंदेद कराइट (बुंगरूस फसकीअटुस), छिपकली (मनीस करास्सीकयडाटा), भेडिया (कैनिस लुपुस पल्लीपस), चौसिंगा मृग और (टेटराकेरूस क्यूदरीकोरनीस), भारतीय जंगली कुत्ता (कुअन अल्पीनेस) आदि महत्त्वपूर्ण लुप्तप्राय और संकटापन्न प्रजातियां हैं।

और, अचनकमार बाघ रिजर्व अचनकमार-अमरकंटक जीवमंडल रिजर्व में आश्रय स्थलों और घोषलों की बहुतायत है जो इसका एक अद्भुत विशेषता है। अचनकमार बाघ रिजर्व बाघ में कई बाघ गलियारों मिलते हैं जो इसको क्षेत्र के मुख्य बाघ रिजर्वों से जोड़ते हैं और यह बाघ क्रियाकलाप का केंद्र है। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विशेषताएं हैं जो इस क्षेत्र में पारिस्थितिकी-पर्यटन की क्षमता को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान जैसे विशेषताएं जिन्हें सही रूप में बढ़ावा दिया गया है है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की उपधारा (1) तथा धारा 3 की उपधारा (2) एवं उपधारा (3) के खंड (v) और खंड (xiv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, छत्तीसगढ़ राज्य में अचनकमार बाघ रिजर्व की सीमा के चारों ओर 1 किलोमीटर तक विस्तारित क्षेत्र को अचनकमार बाघ रिजर्व पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :-

1. **पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और सीमाएं-**(1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का क्षेत्र 438.951 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है; संरक्षित क्षेत्र का विस्तार 0 (शून्य) किलोमीटर से 8.49 किलोमीटर तक है। पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार विभिन्न दिशाओं में है:-

उत्तर	4.1 किलोमीटर
उत्तर - पूर्व	3.8 किलोमीटर
पूर्व	6.2 किलोमीटर
दक्षिण- पूर्व	5.3 किलोमीटर
दक्षिण	1.0 किलोमीटर
दक्षिण -पश्चिम	8.49 किलोमीटर
पश्चिम	2.1 किलोमीटर
उत्तर -पश्चिम	0.0 किलोमीटर

मध्य प्रदेश के साथ अंतरराज्य सीमा के निकटवर्ती द्वारा उत्तर-पश्चिम दिशा में पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार शून्य है।

- (2) अचनकमार बाघ रिजर्व और इनके पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण **उपाबंध I** में दिया गया है।
- (3) सीमा विवरण और अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र **उपाबंध II क-ड** के रूप में संलग्न हैं।
- (4) अचनकमार बाघ रिजर्व और इनके पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भू-निर्देशांको की सारणी **उपाबंध क एवं ख III** में दी गई है।
- (4) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची **उपाबंध IV** के रूप में संलग्न हैं।

2. **पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना-**(i) राज्य सरकार, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजन के लिए, राजपत्र में अंतिम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए, राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदनार्थ एक आंचलिक महायोजना बनायेगी।

(ii) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रीति से तथा प्रासंगिक केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरूप तथा केंद्रीय सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों, यदि कोई हों, के अनुसार बनायी जाएगी।

(iii) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरण संबंधी सरोकारों को शामिल करने के लिए इसे राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से बनाया जाएगा, अर्थात्:-

- (i) पर्यावरण;
- (ii) वन;
- (iii) शहरी विकास;
- (iv) पर्यटन;
- (v) नगरपालिका
- (vi) राजस्व;
- (vii) कृषि
- (viii) छत्तीसगढ़ राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड;
- (ix) सिंचाई; और
- (x) लोक निर्माण विभाग।

(iv) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, आंचलिक महायोजना में वर्तमान में अनुमोदित भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा तथा आंचलिक महायोजना में सभी अवसंरचनाओं और क्रियाकलापों में सुधार करके उन्हें अधिक दक्ष और पारिस्थितिकी-अनुकूल बनाने की व्यवस्था की जाएगी।

(v) आंचलिक महायोजना में वनरहित और अवक्रमित क्षेत्रों की बहाली, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भू-जल के प्रबंधन, मृदा और नमी के संरक्षण, स्थानीय जनता की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण के ऐसे अन्य पहलुओं की व्यवस्था की जाएगी जिन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

(vi) आंचलिक महायोजना में सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों एवं शहरी बस्तियों, वनों की श्रेणियों एवं किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, उद्यानों एवं उद्यानों की तरह के हरित क्षेत्रों, बागवानी क्षेत्रों, बगीचों, झीलों और अन्य जल निकायों की सीमा का निर्धारण किया जाएगा तथा सहायक मानचित्र भी दिया जाएगा। इस महायोजना में विद्यमान और प्रस्तावित भू-उपयोग की विशेषताओं का ब्यौरा देने वाले मानचित्र भी दिए जाएंगे।

(vii) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी संवेदी जोन में होने वाले विकास का विनियमन किया जाएगा और सारणी में यथासूचीबद्ध प्रतिषिद्ध एवं विनियमित क्रियाकलापों का पालन किया जाएगा। इसमें स्थानीय जनता की आजीविका की सुरक्षा के लिए पारिस्थितिकी-अनुकूल विकास का भी सुनिश्चय एवं संवर्धन किया जाएगा।

(viii) आंचलिक महायोजना, क्षेत्रीय विकास योजना की सह-कालिक होगी।

(ix) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी संवेदी जोन में होने वाले विकास को विनियमित किया जाएगा ताकि स्थानीय जनता की आजीविका की सुरक्षा के लिए पारिस्थितिकी अनुकूल विकास सुनिश्चित हो सके।

(x) अनुमोदित आंचलिक महायोजना, निगरानी समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज होगी ताकि वह इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार निगरानी के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सके।

3. राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय- राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

(1) **भू-उपयोग -** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वनों, बागवानी क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के लिए चिन्हित उद्यानों और खुले स्थानों का वृहद वाणिज्यिक या आवासीय परिसरों या औद्योगिक क्रियाकलापों के लिए प्रयोग या संपरिवर्तन अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(ख) परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भाग (क) में विनिर्दिष्ट प्रयोजन से भिन्न प्रयोजन के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन, निगरानी समिति की सिफारिश पर और सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से, क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम तथा यथा लागू केन्द्रीय/राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों के अधीन तथा इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा:-

- (i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ करना और नई सड़कों का संनिर्माण करना;
- (ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;
- (iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग,
- (iv) कुटीर उद्योग एवं ग्राम उद्योग; पारिस्थितिकी पर्यटन में सहायक सुविधा भण्डार, स्थानीय सुविधाएं तथा ग्रह वास; और
- (v) बढ़ावा दिए गए और पैरा-4 में उल्लिखित क्रियाकलाप।

(ग) परंतु यह भी कि क्षेत्रीय शहरी नियोजन अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना तथा राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों एवं संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों तथा तत्समय प्रवृत्त विधि, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी आता है, का अनुपालन किए बिना वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का प्रयोग अनुज्ञात नहीं होगा।

(घ) परंतु यह भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाली भूमि के अभिलेखों में हुई किसी त्रुटि को, निगरानी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात्, राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार सुधारा जाएगा और उक्त त्रुटि को सुधारने की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी।

(ड.) परंतु यह भी कि उपर्युक्त त्रुटि को सुधारने में, इस उप-पैरा में यथा उपबंधित के सिवाय, किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन शामिल नहीं होगा।

(च) अनुप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुनः वनीकरण तथा पर्यावासों और जैव-विविधता की बहाली के प्रयास किए जाएंगे।

(2) प्राकृतिक जल स्रोत - सभी प्राकृतिक जल स्रोतों के जल आवाह क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और आंचलिक महायोजना में उनके संरक्षण और बहाली की योजना सम्मिलित की जाएगी और राज्य सरकार द्वारा इस रीति से जल आवाह प्रबंधन योजना बनाई जाएगी कि उसमें आवाह क्षेत्रों में विकास क्रियाकलापों को प्रतिषिद्ध और निर्बंधित किया गया हो।

(3) पर्यटन/पारिस्थितिकी पर्यटन - (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पारिस्थितिकी संवेदी जोन सम्बंधी पर्यटन महायोजना के अनुसार अनुज्ञात होगा।

(ख) पारिस्थितिकी पर्यटन महायोजना राज्य सरकार के पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से पर्यटन विभाग द्वारा बनायी जाएगी।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना का घटक होगी।

(घ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित किए जाएंगे, अर्थात् :-

(i) अचनकमार बाघ रिजर्व की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, किसी होटल या रिजाटो का नया सन्निर्माण अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। तथापि, पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक पूर्व परिभाषित और अभीहित क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार, नए होटलों और रिजाटों की स्थापना अनुज्ञात की जाएगी।

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अन्दर सभी नए पर्यटन क्रिया-कलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार, केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों तथा पारिस्थितिकी पर्यटन पर बल देने वाले राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी दिशानिर्देशों (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार होगा।

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन होने तक, पर्यटन के विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल-विशिष्ट संवीक्षा तथा निगरानी समिति की सिफारिश के आधार पर संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए होटल/रिसार्ट या वाणिज्यिक प्रतिष्ठान का सन्निर्माण अनुज्ञात नहीं होगा।

(4) प्राकृतिक विरासत - पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले बहुमूल्य प्राकृतिक विरासत के सभी स्थलों जैसे कि जीन पूल रिजर्व क्षेत्र, शैल संरचना, जल प्रपात, झरने, दर्रे, उपवन, गुफाएं, स्थल, वनपथ, रोहण मार्ग, उत्प्रपात आदि की पहचान की जाएगी और उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(5) मानव निर्मित विरासत स्थल - पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, कलाकृति-क्षेत्रों तथा ऐतिहासिक, स्थापत्य संबंधी, सौंदर्यात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(6) ध्वनि प्रदूषण- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अधीन बनाए गए ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 के अनुसार किया जाएगा।

(7) वायु प्रदूषण- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण का निवारण एवं नियंत्रण, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) के उपबंधों और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाएगा।

(8) बहिष्काव का निस्सारण - पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिष्काव का निस्सारण, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अन्तर्गत शामिल किए गए पर्यावरणीय प्रदूषण के निस्सारण संबंधी साधारण मानकों या राज्य सरकार द्वारा नियत मानकों, इनमें जो भी अधिक कठोर हों, के अनुसार किया जाएगा।

(9) **ठोस अपशिष्ट-** ठोस अपशिष्ट का निपटान एवं प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), दिनांक 8 अप्रैल, 2016 के तहत प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा। अकार्बनिक पदार्थों का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा;

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जाएगा।

(10) **जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन-** जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जाएगा।

(11) **प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन:-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(12) **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन:-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(13) **ई-अपशिष्ट:-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई-अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित तथा समय-समय पर यथा संशोधित ई-अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) **सड़क-यातायात:-** सड़क-यातायात को पर्यावास-अनुकूल तरीके से विनियमित किया जाएगा और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध शामिल किए जाएंगे। आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित होने तक, निगरानी समिति प्रासंगिक अधिनियमों और उनके तहत बनाए गए नियमों एवं विनियमों के अनुसार सड़क-यातायात के अनुपालन की निगरानी करेगी।

(15) **वाहन जनित प्रदूषण:-** वाहन जनित प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण लागू विधियों के अनुसार किया जाएगा। स्वच्छतर ईंधन जैसे कि सीएनजी, एलपीजी आदि के प्रयोग के प्रयास किए जाएंगे।

(16) **औद्योगिक ईकाइयां:-** (i) सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख को या उसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए प्रदूषणकारी उद्योग की स्थापना अनुज्ञात नहीं होगी।

(ii) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना अनुज्ञात होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

(17) **पहाड़ी ढलानों का संरक्षण:-** पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार किया जाएगा:

(क) आंचलिक महायोजना में पहाड़ी ढलानों के उन क्षेत्रों को दर्शाया जाएगा जिनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी।

(ख) जिन ढलानों या विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों में अत्यधिक भू-क्षरण होता है उनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी।

4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध या विनियमित किए जाने वाले या बढ़ावा दिए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची -
पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) के उपबंधों और तटीय विनियमन जोन (सीआरजेड) अधिसूचना, 2011 एवं पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना, 2006 सहित उसके अधीन बने नियमों और वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) सहित अन्य लागू नियमों तथा उनमें किए गए संशोधनों के अनुसार शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति से विनियमित होंगे,

सारणी

क्रम सं.	क्रियाकलाप	टिप्पणी
क. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप		
1.	वाणिज्यिक खनन ।	(क) स्थानीय निवासियों की वास्तविक घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किए जाने वाले क्रियाकलापों, जिनमें घरों के निर्माण या मरम्मत और मकान बनाने एवं अन्य क्रियाकलापों के लिए देशी टाइलें या ईंटें बनाने हेतु जमीन की खुदाई शामिल है, को छोड़कर सभी नई और वर्तमान (लघु एवं वृहद खनिज) पत्थर खोदने एवं तोड़ने वाली ईकाइयां तत्काल प्रभाव से निषिद्ध की जाती हैं ; (ख) खनन क्रियाकलाप, टी.एन. गोदावर्मन थिरूमलपाद बनाम भारत संघ के मामले में वर्ष 1995 की रिट याचिका (सिविल) सं 202 में दिनांक 4 अगस्त, 2006 तथा गोवा फाउंडेशन बनाम भारत संघ के मामले में वर्ष 2012 की रिट याचिका(सिविल) सं. 435 में दिनांक 21 अप्रैल, 2014 के माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार किए जाएंगे।
2.	प्रदूषण जल, वायु, मृदा, ध्वनि आदि उत्पन्न करने वाले उद्योगों की स्थापना ।	(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में नए उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुज्ञा नहीं होगी। (ख) जब तक कि इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में फरवरी, 2016 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर- प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना अनुज्ञात होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
3.	बड़ी ताप एवं जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
4.	किसी परिसंकटमय पदार्थ का प्रयोग या उत्पादन या प्रसंकरण ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
5.	प्राकृतिक जल निकायों या भूमि क्षेत्र में अनुपचारित बहिस्त्रावों का निस्सारण ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
6.	नई आरा मिलों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में नई आरा मिलों की स्थापना और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा ।
7.	ईट भट्टों की स्थापना ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
ख. विनियमित क्रियाकलाप		
8.	होटलों और रिजॉर्टों की वाणिज्यिक स्थापना ।	पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों हेतु लघु अस्थायी संरचनाओं के निर्माण के सिवाय, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, नए वाणिज्यिक होटलों और रिजॉर्टों की स्थापना अनुज्ञात नहीं होगी। परंतु, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर बाहर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप करने या विद्यमान क्रियाकलापों का विस्तार पर्यटन महायोजना और लागू दिशानिर्देशों के अनुसार होगा।

9.	संनिर्माण क्रियाकलाप ।	<p>(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, किसी भी प्रकार के नये वाणिज्यिक संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी:</p> <p>(ख) परंतु स्थानीय लोगों को अपनी आवास सम्बन्धी निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पैरा 3 के उप पैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित अपने प्रयोग के लिए, अपनी भूमि में भवन उप-विधियों के अनुसार, संनिर्माण करने की अनुज्ञा होगी :-</p> <p>(i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ करना और नई सड़कों का संनिर्माण करना;</p> <p>(ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण करना;</p> <p>(iii) फरवरी, 2016 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किए गए वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी लघु उद्योगों की स्थापना ;</p> <p>(iv) ग्रामीण उद्योगों सहित कुटीर उद्योगों, सुविधा भण्डारों और ग्रह-वास सहित पारिस्थितिकी पर्यटन में सहायक स्थानीय सुविधाओं की व्यवस्था; और</p> <p>(v) इस अधिसूचना में सूचीबद्ध बढावा दिए गए क्रियाकलाप ।</p> <p>(ग) परन्तु गैर-प्रदूषणकारी लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से विनियमित किए जाएंगे और वे न्यूनतम होंगे ।</p> <p>(घ) एक किलोमीटर क्षेत्र से आगे ये आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित होंगे ।</p>
10.	गैर प्रदूषणकारी लघु उद्योग।	फरवरी, 2016 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों तथा पारिस्थितिकी संवेदी जोन से देशी सामग्रियों से उत्पाद बनाने वाले अपरिसंकटमय लघु और सेवा उद्योगों, कृषि, पुष्प कृषि, बागबानी या कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होगी।
11.	वृक्षों की कटाई ।	<p>(क) राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन या सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर वृक्षों की कटाई की अनुज्ञा नहीं होगी ।</p> <p>(ख) वृक्षों की कटाई केंद्रीय या संबंधित राज्य के अधिनियमों और उनके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार विनियमित होगी ।</p>
12.	वन उत्पादों और गैर काष्ठ वन उत्पादों (एनटीएफपी) का संग्रह ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।
13.	विद्युत और संचार टॉवर लगाने, तार-बिछाने तथा अन्य बुनियादी ढांचे की व्यवस्था ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा । भूमिगत केबल बिछाने को बढावा दिया जाएगा।
14.	नागरिक सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचे की व्यवस्था।	यह व्यवस्था लागू विधियों, नियमों, विनियमों और मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार उपशमन उपायों के साथ की जाएगी।
15.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ बनाना और नई सड़कों का निर्माण करना।	ये कार्य लागू विधियों, नियमों, विनियमों और मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार उपशमन उपायों के साथ किये जाएंगे।
16.	पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा ।

	ऊपर से गर्म वायु के गुब्बारे, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइट्स उड़ाना आदि।	
17.	पर्वतीय ढलानों और नदी तटों का संरक्षण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
18.	रात्रि में सड़क यातायात का संचलन।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होगा।
19.	स्थानीय जनता द्वारा अपनायी जा रही वर्तमान कृषि और बागवानी पद्धतियों के साथ डेयरियां, दुग्ध उत्पादन, जल कृषि और मत्स्य पालन।	स्थानीय जनता के प्रयोग के लिए लागू विधियों के अधीन अनुज्ञात होंगे।
20.	फर्मों, कारपोरेट, कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुधन संपदा और कुक्कुट फार्मों की स्थापना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
21.	प्राकृतिक जल निकायों या भू क्षेत्र में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह का निस्सारण।	जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह के निस्सारण से बचा जाएगा। उपचारित अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और पुनःउपयोग के प्रयास किए जाएंगे अन्यथा उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह का निस्सारण लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।
22.	सतही और भूजल का वाणिज्यिक प्रयोग एवं निष्कर्षण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
23.	कृषि या अन्य उपयोग के लिए खुले कुएं/बोर कुएं आदि का निर्माण।	समुचित प्राधिकारी द्वारा विनियमित किया जाएगा तथा क्रियाकलाप की सख्त निगरानी की जाएगी।
24.	ठोस अपशिष्ट का प्रबंधन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
25.	विदेशी प्रजातियों को लाना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
26.	पारिस्थितिकी पर्यटन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
27.	पोलिथीन बैगों का प्रयोग।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर पॉलिथीन बैग के उपयोग की अनुमति होगी परन्तु यह विशिष्ट आवश्यकता के आधार पर लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
28.	वाणिज्यिक संकेत बोर्ड और होर्डिंग का प्रयोग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
संबंधित क्रियाकलाप		
29.	वर्षा जल संचय।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
30.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
31.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी का अंगीकरण।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
32.	ग्रामीण कारीगरी सहित कुटीर उद्योग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
33.	नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का प्रयोग।	बायोगैस, सौर प्रकाश इत्यादि को सक्रिय बढ़ावा दिया जाएगा।
34.	कृषि वानिकी।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
35.	बागान लगाना और औषधीय पौधों का रोपण।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
36.	पारिस्थितिकी अनुकूल यातायात का प्रयोग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
37.	कौशल विकास।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
38.	अवक्रमित भूमि/ वनों/ पर्यावासों की बहाली।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
39.	पर्यावरण के प्रति जागरूकता।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

5. निगरानी समिति.—केंद्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पारिस्थितिक संवेदी जोन की प्रभावी निगरानी के लिए एक निगरानी समिति गठित करती है, जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी:—

1.	कलेक्टर, मुंगेली	-अध्यक्ष;
2.	पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण के क्षेत्र का जिसे छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा तीन वर्ष की अवधि के लिये नामित किया जायेगा।	-सदस्य;
3.	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला पंचायत, मुंगेली	-सदस्य;
4.	पर्यावरण (विरासत संरक्षण सहित) के क्षेत्र में सक्रिय गैर-सरकारी संगठनों का प्रतिनिधि, जिसे छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा तीन वर्ष की अवधि के लिए नामित किया जायेगा	-सदस्य;
5.	सहायक इंजीनियर, लोक निर्माण विभाग, मुंगेली	-सदस्य;
6.	अधीक्षक अभियंता सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग, मुंगेली	-सदस्य;
7.	कार्यकारी अभियंता, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड	-सदस्य;
8.	जैव विवधता का विशेषज्ञ	-सदस्य;
9.	कारगी रोड, कोटा सहायक निदेशक, अचनकमार बाघ रिजर्व (कोर)	-सदस्य;
10.	लोर्मि सहायक निदेशक, अचनकमार बाघ रिजर्व (बफर)	-सदस्य;
11.	उप निदेशक, अचनकमार बाघ रिजर्व, लोर्मि	-सदस्य सचिव।

6. विचारार्थ विषय:-

- (1) निगरानी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन की निगरानी करेगी।
- (2) निगरानी समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक या राज्य सरकार द्वारा नई समिति का पुनर्गठन किए जाने तक होगा और इसके बाद निगरानी समिति राज्य सरकार द्वारा गठित की जाएगी।
- (3) वे क्रियाकलाप जो भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 1533 (अ), तारीख 14 सितम्बर, 2006 की अनुसूची में शामिल हैं और जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा में आते हैं। इस अधिसूचना के पैरा 4 में दी गई सारणी में यथाविनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय वास्तविक विशिष्ट दशाओं के आधार पर निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा करके उन्हें केन्द्र सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा।
- (4) वे क्रियाकलाप, जो भारत सरकार के पूर्ववर्ती पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1533(अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में शामिल नहीं हैं, परन्तु जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा में आते हैं, उनकी, इस अधिसूचना के पैरा-4 में दी गई सारणी में यथाविनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, वास्तविक स्थल विशिष्ट दशाओं के आधार पर, निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा करके उन्हें संबंधित विनियामक प्राधिकरणों को भेजा जायेगा।
- (5) निगरानी समिति का सदस्य-सचिव या संबंधित उपायुक्त इस अधिसूचना के उपबंधों का उल्लंघन करने वाले किसी व्यक्ति के विरुद्ध पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अंतर्गत शिकायत दर्ज करने के लिए सक्षम होगा।
- (6) निगरानी समिति संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संघों के प्रतिनिधियों या संबंधित पक्षों को, प्रत्येक मामले में आवश्यकता के अनुसार, अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी।

(7) निगरानी समिति प्रत्येक वर्ष 31 मार्च की स्थिति के अनुसार अपनी वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में वन्यजीव वार्डन को, **उपाबंध V** में दिए गए प्रपत्र के अनुसार, उस वर्ष की 30 जून तक प्रस्तुत करेगी।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय निगरानी समिति को उसके कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए ऐसे निदेश दे सकेगा जो वह उचित समझे।

7. इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार, अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगी।

8. इस अधिसूचना के उपबंध भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित किए गए या पारित किए जाने वाले आदेश, यदि कोई हो, के अध्यक्षीन होंगे।

[फा.सं. 25/51/2017-ईएसजेड]

ललित कपूर, वैज्ञानिक 'जी'

उपाबंध- I

अचनकमार बाघ रिजर्व की सीमा का विवरण

उत्तर- मध्य प्रदेश के बिलासपुर और डिंडोरी जिला की साझी सीमा आरक्षित वन कम्पार्ट सं. 407 और 416 से कम्पार्ट.सं.259 का आरक्षित वन की दक्षिणी सीमा और लमणी रेंज के आरक्षित वन कम्पार्ट.सं.260, 265, 266 की पश्चिम सीमा एवं गौरेल्ला रेंज के संरक्षित वन कम्पार्ट.सं. 1215, 1214, 1213, 1218 का साइना बिंदु।

पूर्व- गौरेल्ला रेंज संरक्षित वन कम्पार्ट.सं.1205, 1207 एवं 1133 की पश्चिमी सीमा, संरक्षित वन कम्पार्ट सं. 1135, 1139, 1141, 1150, 1151 की पश्चिमी सीमा, संरक्षित वन कम्पार्ट सं.1159, की दक्षिणी-पश्चिम सीमा, संरक्षित वन कम्पार्ट सं. 1159, की दक्षिणी सीमा, बेलगहना श्रेणी के संरक्षित वन कम्पार्ट सं.1163 की दक्षिणी सीमा, सरगोद और पारसपनी ग्राम की पश्चिमी 172 की पूर्वी सीमा की साझी सीमा।

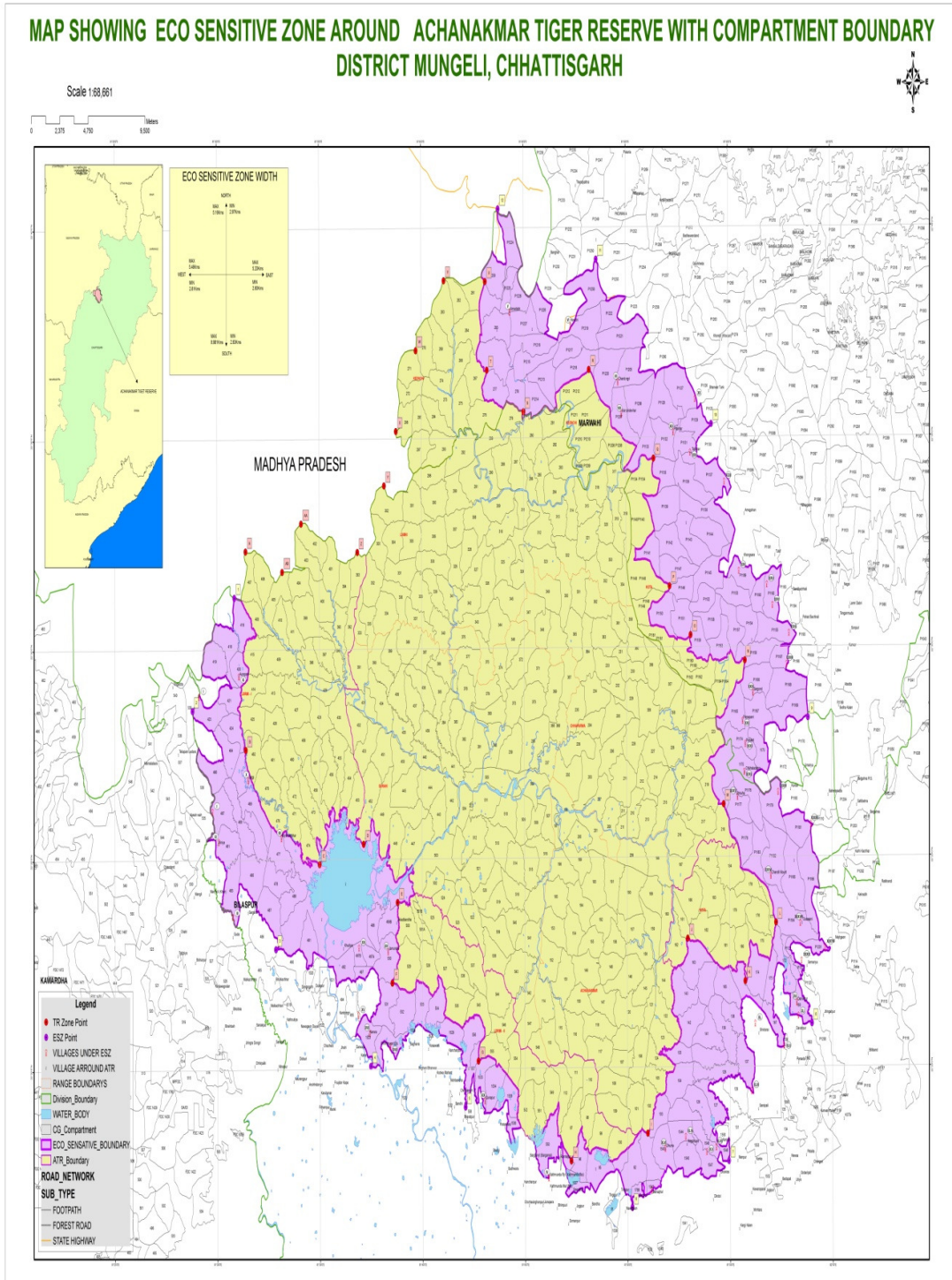
दक्षिण- लोर्मी रेंज के आरक्षित वन कम्पार्ट सं. 172 की पश्चिमी सीमा आरक्षित वन कम्पार्ट सं. 168, 173, 174, 166, 165, 164, 163, 143, की उत्तरी सीमा, आरक्षित कम्पार्ट सं. 142, 125, 104, की पश्चिमी सीमा, इसके बाद आरक्षित वन कम्पार्ट सं.103, 93, 94, 96 और आरक्षित वन कम्पार्ट सं. 1537, की उत्तरी सीमा, रामहेपुर ग्राम की पूर्वी सीमा, संरक्षित वन कम्पार्ट सं. 550, की उत्तरी सीमा, अघरिया बरगन ग्राम की उत्तरी सीमा, आरक्षित वन कम्पार्ट सं. 1535, 1534, की उत्तरी सीमा, गूनापुर ग्राम की उत्तरी सीमा, संरक्षित वन कम्पार्ट सं 1533, आरक्षित वन 556 संरक्षित वन 1529 आरक्षित वन 534, 537, 532, 499 की उत्तरी सीमा, आरक्षित वन कम्पार्ट सं. 499 और 530 की पूर्वी सीमा और आरक्षित वन कम्पार्ट. सं. 502 के मिलन बिंदु के मणियारी टैंक की पूर्वी सीमा।

पूर्व - मणियारी टैंक की उत्तरी सीमा आरक्षित वन कम्पार्ट सं. 502, मिलन बिंदु से 474, मिलन बिंदु तक आरंभ होती है, आरक्षित वन कम्पार्ट सं. 474 और बीकदर ग्राम वन की उत्तरी सीमा, सलगी ग्राम के आरक्षित वन कम्पार्ट सं. 475, 476, 469, 463 कम्पार्ट सं. 424, 421, 420 और आरक्षित वन कम्पार्ट सं. 416 की पूर्वी सीमा जो कि बिलासपुर और डिंडोरी जिला की सामान्य सीमा से मिलती है।

उपाबंध ॥क

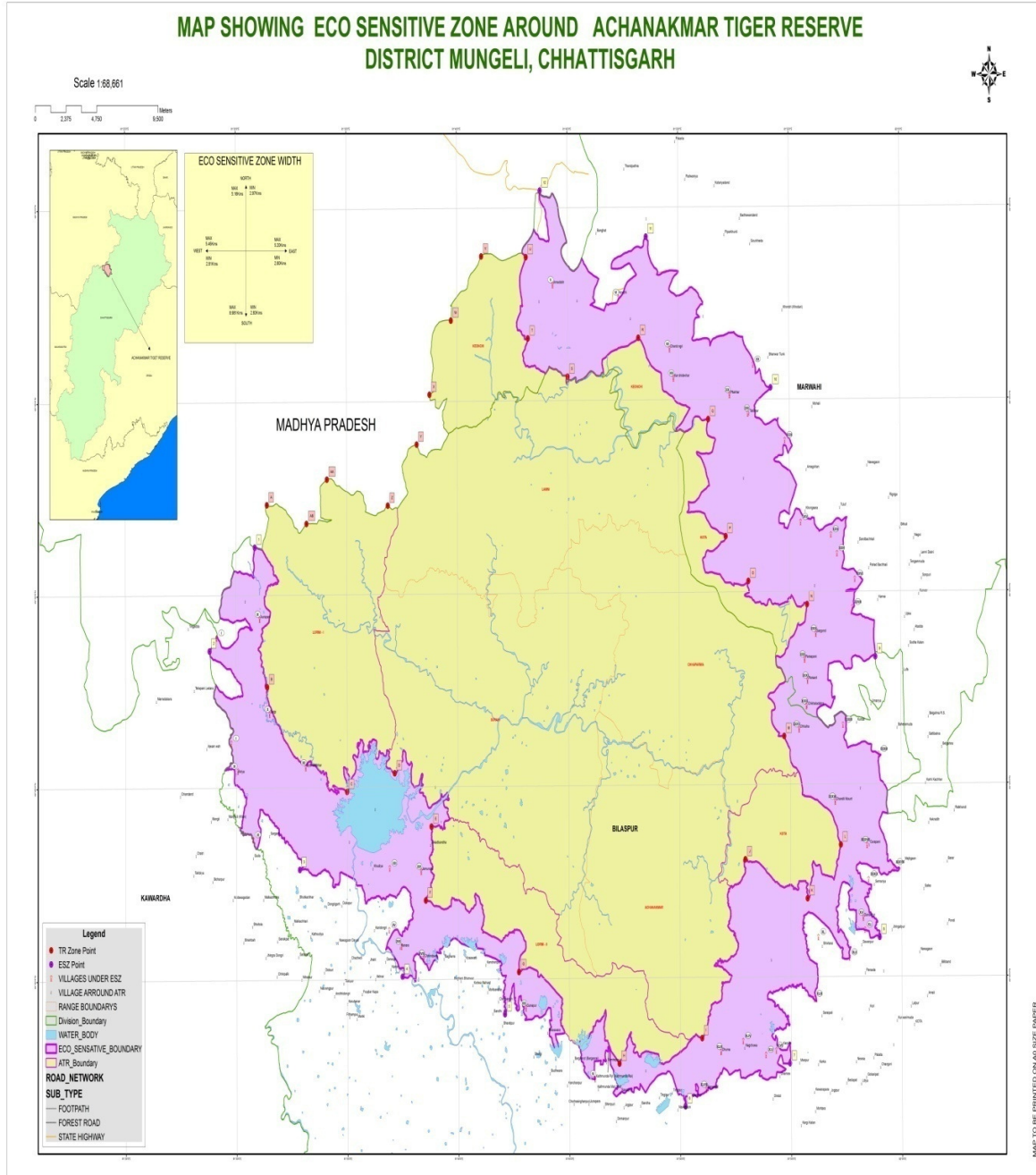
कम्पार्टमेंट सीमा के साथ अचनकमार बाघ रिजर्व के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र

MAP SHOWING ECO SENSITIVE ZONE AROUND ACHANAKMAR TIGER RESERVE WITH COMPARTMENT BOUNDARY DISTRICT MUNGELI, CHHATTISGARH



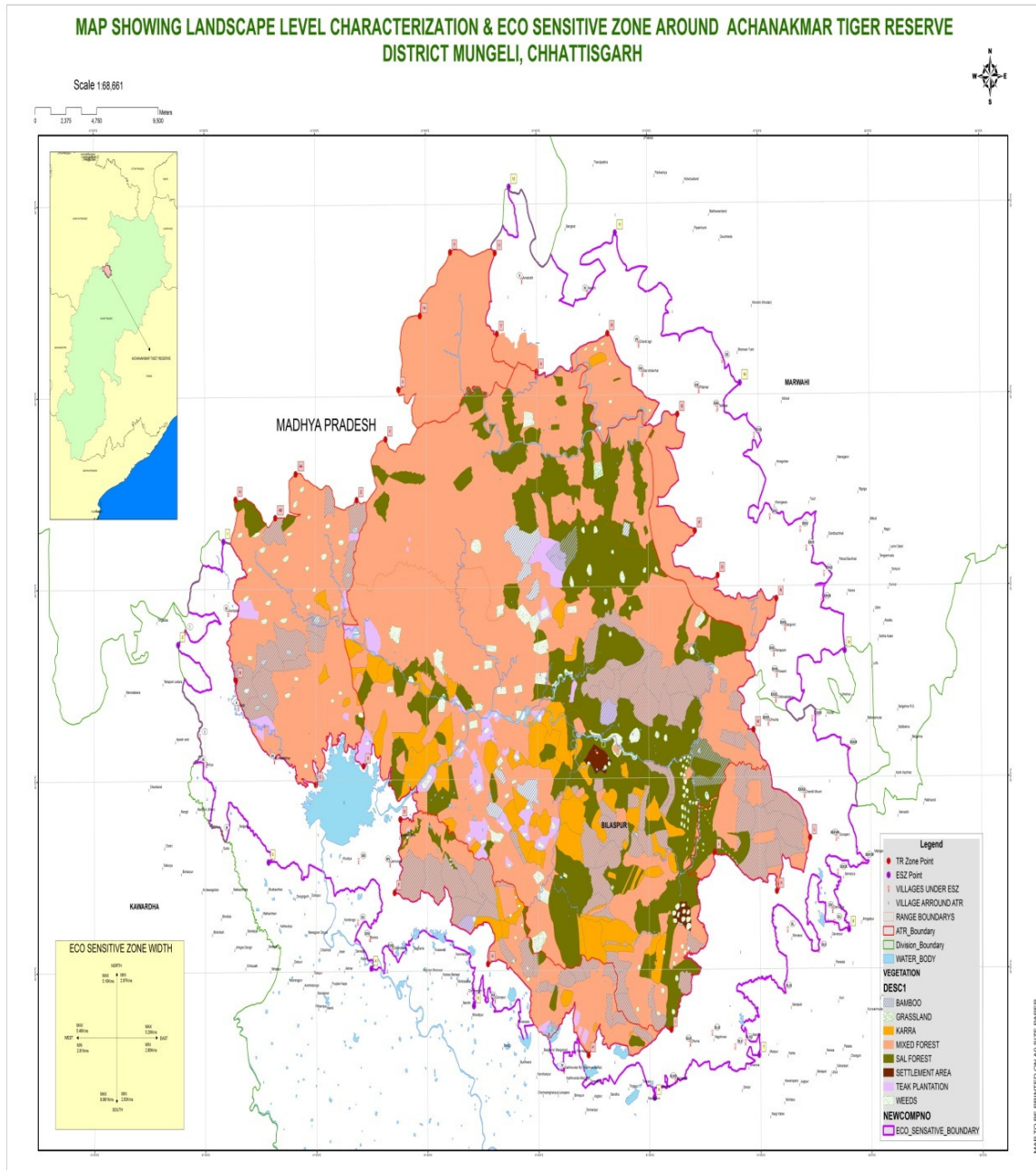
उपाबंध- IIख

मुख्य बिंदुओं और भू-निर्देशांकों के साथ अचनकमार बाघ रिजर्व के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र



उपाबंध- IIघ

अचनकमार बाघ रिजर्व के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का भू-दृश्य मानचित्र



उपाबंध-III

सारणी क: अचनकमार बाघ रिजर्व के मुख्य अवस्थानों के अक्षांश-देशांतर

क्र.सं.	बाघ रिजर्व	विवरण	प्रकार	अक्षांश	देशांतर
1	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	ए	22° 32' 21.456" उ	81° 31' 23.680" पू
2	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	बी	22° 27' 38.059" उ	81° 31' 23.755" पू
3	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	सी	22° 24' 54.293" उ	81° 34' 59.460" पू
4	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	डी	22° 25' 22.865" उ	81° 37' 8.696" पू
5	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	ई	22° 23' 59.395" उ	81° 38' 47.757" पू
6	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	एफ	22° 22' 4.384" उ	81° 38' 31.777" पू
7	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	जी	22° 20' 12.165" उ	81° 42' 43.548" पू
8	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	एच	22° 17' 48.124" उ	81° 47' 14.938" पू
9	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	आई	22° 18' 26.855" उ	81° 50' 58.858" पू
10	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	जे	22° 23' 4.628" उ	81° 52' 57.290" पू
11	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	के	22° 22' 2.930" उ	81° 55' 45.450" पू
12	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	एल	22° 23' 26.293" उ	81° 57' 15.790" पू
13	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	एम	22° 26' 16.094" उ	81° 54' 43.586" पू
14	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	एन	22° 29' 41.115" उ	81° 55' 46.643" पू
15	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	ओ	22° 30' 18.099" उ	81° 53' 8.040" पू
16	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	पी	22° 31' 28.149" उ	81° 52' 6.730" पू
17	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	क्यू	22° 34' 30.736" उ	81° 51' 20.476" पू
18	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	आर	22° 36' 38.108" उ	81° 48' 11.714" पू
19	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	एस	22° 35' 38.675" उ	81° 44' 59.844" पू
20	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	टी	22° 36' 38.413" उ	81° 43' 12.344" पू
21	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	यू	22° 38' 45.112" उ	81° 43' 7.451" पू
22	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	वी	22° 38' 46.726" उ	81° 41' 6.336" पू
23	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	डब्ल्यू	22° 37' 7.244" उ	81° 39' 43.814" पू
24	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	एक्स	22° 35' 11.880" उ	81° 38' 45.241" पू
25	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	वाई	22° 33' 54.426" उ	81° 38' 10.046" पू
26	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	जेड	22° 32' 19.707" उ	81° 36' 51.513" पू
27	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	एए	22° 33' 0.802" उ	81° 34' 6.528" E
28	अचनकमार बाघ रिजर्व	बाघ रिजर्व जोन बिंदु	एबी	22° 31' 52.093" उ	81° 33' 11.038" पू

सारणी ख: अचनकमार बाघ रिजर्व के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के मुख्य अवस्थानों के अक्षांश देशांतर

सं.क्र.	बाघ रिजर्व	विवरण	प्रकार	अक्षांश	देशांतर
1	अचनकमार बाघ रिजर्व	पारिस्थितिकी संवेदी जोन बिंदु	1	22° 31' 15.514" उ	81° 30' 50.580" पू
2	अचनकमार बाघ रिजर्व	पारिस्थितिकी संवेदी जोन बिंदु	2	22° 28' 34.189" उ	81° 28' 47.693" पू

3	अचनकमार बाघ रिजर्व	पारिस्थितिकी संवेदी जोन बिंदु	3	22° 22' 53.281" उ	81° 32' 51.156" पू
4	अचनकमार बाघ रिजर्व	पारिस्थितिकी संवेदी जोन बिंदु	4	22° 20' 5.823" उ	81° 37' 28.533" पू
5	अचनकमार बाघ रिजर्व	पारिस्थितिकी संवेदी जोन बिंदु	5	22° 19' 6.496" उ	81° 42' 5.344" पू
6	अचनकमार बाघ रिजर्व	पारिस्थितिकी संवेदी जोन बिंदु	6	22° 16' 40.823" उ	81° 50' 12.801" पू
7	अचनकमार बाघ रिजर्व	पारिस्थितिकी संवेदी जोन बिंदु	7	22° 17' 46.302" उ	81° 54' 56.204" E
8	अचनकमार बाघ रिजर्व	पारिस्थितिकी संवेदी जोन बिंदु	8	22° 21' 1.807" उ	81° 58' 59.977" पू
9	अचनकमार बाघ रिजर्व	पारिस्थितिकी संवेदी जोन बिंदु	9	22° 28' 18.774" उ	81° 58' 50.994" पू
10	अचनकमार बाघ रिजर्व	पारिस्थितिकी संवेदी जोन बिंदु	10	22° 35' 19.236" उ	81° 54' 9.729" पू
11	अचनकमार बाघ रिजर्व	पारिस्थितिकी संवेदी जोन बिंदु	11	22° 39' 15.657" उ	81° 48' 32.916" पू
12	अचनकमार बाघ रिजर्व	पारिस्थितिकी संवेदी जोन बिंदु	12	22° 40' 28.600" उ	81° 43' 45.558" पू

उपाबंध-IV

जीपीएस बिंदु के साथ संरक्षित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची

क्र.सं.	बिंदु आई डी	ग्रामों के नाम	तहसील	जिला	अक्षांश_डीएमएस	देशांतर_डीएमएस
1	I	टींगाड्डा	लोरमी	मुंगली	22° 28' 54.517" उ	81° 29' 6.875" पू
2	II	अजवाइंवाह	लोरमी	मुंगली	22° 26' 10.369" उ	81° 29' 46.060" पू
3	III	गुडा	लोरमी	मुंगली	22° 23' 39.938" उ	81° 30' 45.195" पू
4	IV	कठमुंडा	लोरमी	मुंगली	22° 17' 24.377" उ	81° 46' 8.692" पू
5	V	अमादोब	गौरल्ला	बीलासपुर	22° 38' 1.137" उ	81° 44' 20.042" पू
6	VI	केवची	गौरल्ला	बीलासपुर	22° 37' 40.856" उ	81° 47' 18.273" पू
7	VII	छारडोगरी	गौरल्ला	बीलासपुर	22° 36' 19.953" उ	81° 49' 36.404" पू
8	VIII	कांचीदेवहार	गौरल्ला	बीलासपुर	22° 35' 34.274" उ	81° 49' 46.694" पू
9	IX	औरापानी	लोरमी	मुंगली	22° 29' 23.189" उ	81° 31' 3.682" पू
10	X	सालगी	लोरमी	मुंगली	22° 26' 55.241" उ	81° 31' 30.448" पू
11	XI	झीरीया	लोरमी	मुंगली	22° 25' 26.822" उ	81° 30' 4.090" पू
12	XII	बीजरा कच्छर	लोरमी	मुंगली	22° 25' 31.732" उ	81° 33' 7.781" पू
13	XIII	खुदिया	लोरमी	मुंगली	22° 22' 54.875" उ	81° 36' 54.303" पू
14	XIV	जमुनही	लोरमी	मुंगली	22° 22' 49.265" उ	81° 38' 19.577" पू
15	XV	करीडोगरी	लोरमी	मुंगली	22° 21' 18.466" उ	81° 36' 52.443" पू
16	XVI	दानोखार	लोरमी	मुंगली	22° 21' 31.809" उ	81° 58' 15.985" पू
17	XVII	कंसरा	लोरमी	मुंगली	22° 20' 52.775" उ	81° 37' 26.020" पू

18	XVIII	छींदपुरा	लोरमी	मुंगली	22° 20' 33.735" उ	81° 38' 25.970" पू
19	XIX	गुनापुर	लोरमी	बिलासपुर	22° 19' 15.166" उ	81° 43' 2.256" पू
20	XX	भांवर तुंक	गौरल्ला	बिलासपुर	22° 35' 55.020" उ	81° 53' 22.100" पू
21	XXI	पीताखार	गौरल्ला	बिलासपुर	22° 35' 7.669" उ	81° 52' 18.636" पू
22	XXII	तटीधर	गौरल्ला	बिलासपुर	22° 34' 38.827" उ	81° 53' 7.875" पू
23	XXIII	अमागोहां	कोटा	बिलासपुर	22° 33' 56.865" उ	81° 54' 47.610" पू
24	XXIV	तुलुफ	कोटा	बिलासपुर	22° 31' 29.341" उ	81° 56' 51.961" पू
25	XXV	खोंगसारा	कोटा	बिलासपुर	22° 31' 49.172" उ	81° 55' 29.837" पू
26	XXVI	देंदबाछाली	कोटा	बिलासपुर	22° 30' 59.797" उ	81° 57' 8.164" पू
27	XXVII	पहाड बछाली	कोटा	बिलासपुर	22° 30' 19.837" उ	81° 57' 56.089" पू
28	XXVIII	करवा	कोटा	बिलासपुर	22° 29' 35.667" उ	81° 57' 49.264" पू
29	XXIX	सारगोड	कोटा	बिलासपुर	22° 28' 54.724" उ	81° 56' 10.085" पू
30	XXX	परसापानी	कोटा	बिलासपुर	22° 28' 14.811" उ	81° 55' 39.581" पू
31	XXXI	प्रसांत	कोटा	बिलासपुर	22° 27' 41.863" उ	81° 55' 47.246" पू
32	XXXII	चीखलादाबरा	कोटा	बिलासपुर	22° 27' 2.049" उ	81° 55' 44.039" पू
33	XXXIII	बहेरामुदा	कोटा	बिलासपुर	22° 25' 46.387" उ	81° 58' 58.527" पू
34	XXXIV	कुरदर	कोटा	बिलासपुर	22° 26' 32.739" उ	81° 57' 22.858" पू
35	XXXV	छुइहा	कोटा	बिलासपुर	22° 26' 26.169" उ	81° 55' 24.119" पू
36	XXXVI	चांदलीमोंट	कोटा	बिलासपुर	22° 24' 32.933" उ	81° 57' 1.139" पू
37	XXXVII	मजह्गओन	कोटा	बिलासपुर	22° 22' 49.961" उ	81° 59' 39.099" पू
38	XXXVIII	ओरापानी	कोटा	बिलासपुर	22° 23' 25.265" उ	81° 58' 27.002" पू
39	XXXIX	सेमरीया	कोटा	बिलासपुर	22° 22' 31.570" उ	81° 58' 30.240" पू
40	XL	शिवतरीया	कोटा	बिलासपुर	22° 21' 2.404" उ	81° 56' 14.143" पू
41	XLI	देवांपुर	कोटा	बिलासपुर	22° 21' 13.194" उ	81° 58' 20.442" पू
42	XLII	प्रसादा	कोटा	बिलासपुर	22° 20' 30.103" उ	81° 57' 38.457" पू
43	XLIII	साराइपानी	कोटा	बिलासपुर	22° 19' 26.151" उ	81° 56' 3.352" पू
44	XLIV	नगचुवा	कोटा	बिलासपुर	22° 18' 21.541" उ	81° 52' 49.686" पू
45	XLV	धारास	कोटा	बिलासपुर	22° 17' 59.795" उ	81° 53' 51.114" पू
46	XLVI	धुमा	कोटा	बिलासपुर	22° 18' 4.901" उ	81° 51' 49.787" पू
47	XLVII	केरपीहा	कोटा	बिलासपुर	22° 18' 6.361" उ	81° 54' 19.161" पू
48	XLVIII	बंसाजहाल	कोटा	बिलासपुर	22° 17' 6.189" उ	81° 51' 10.188" पू

ऊपर दिए गए सभी ग्राम राजस्व ग्राम हैं

(*) ग्रामों के ठीक प्रकार में शामिल किए जाने हैं जैसे राजस्व ग्राम, वन ग्राम, गैर-वर्गीकृत ग्राम। **डीएमएस:** डिग्री, मिनट और सैकेंड

उपाबंध-V**पारिस्थितिकी संवेदी जोन की निगरानी समिति - की गई कार्रवाई सम्बन्धी रिपोर्ट का प्रपत्र**

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत्त : कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का वर्णन करें । बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक उपाबंध में प्रस्तुत करें ।
3. पर्यटन महायोजना सहित आंचलिक महायोजना की तैयारी की स्थिति ।
4. भू-अभिलेखों की स्पष्ट त्रुटियों के सुधार के लिए निबटाए गए मामलों का सार। विवरण उपाबंध के रूप में संलग्न करें।
5. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार । विवरण एक पृथक उपाबंध के रूप में संलग्न करें ।
6. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार । विवरण एक पृथक उपाबंध के रूप में संलग्न करें ।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सार ।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण मामला ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE**NOTIFICATION**

New Delhi, the 16th April, 2018

S.O. 1654(E).—The following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing this notification are made available to the Public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Indira Paryavaran Bhawan, Jorbagh Road, Aliganj, New Delhi-110 003, or send it to the e-mail address of the Ministry at: - eszmef@nic.in

Draft Notification

WHEREAS, The Achanakmar Tiger Reserve is spread over an area of **914.017 square kilometres** and situated in Lormi Tehsil of Mungeli district in the state of Chhattisgarh.

AND WHEREAS, The Achanakmar Tiger Reserve is known for its rich habitat consisting of a variety of flora and fauna including mammals, birds, amphibians, reptiles, fish, varieties of butterflies and insects and a number of waterfalls such as

Maniyari, Kasanai, Rakchhachhak, Matinala adding richness to the scenic beauty of the natural landscape endowed with rich biodiversity and forests. The important flora from the Achanakmar Tiger Reserve are Sal (*Shorea robusta*), Saja (*Terminalia tomentosa*), Bija (*Pterocarpus marsupium*), Dhaura (*Anogeissus latifolia*), Haldu (*Adina cardiflora*), Harra (*Terminelia chebula*), Kusum (*Scheichera oleosa*), Padar (*Stereopsernum suaveolens*), Kasai (*Bridelia retusa*), Landia (*Lagerstroemia parviflora*), Jamun (*Syzygium cumini*), Mahua (*Madhuca indica*), Kala – siris (*Albizia lebbek*), Sisam (*Dalbergia latifolia*), Khair (*Acacia catechu*), Kullu (*Stereculia urens*) etc. While, shrubs and Bushes from the Tiger Reserve are Achar (*Buchanania lanzan*), Baranga (*Kydia calycina*), Tondri (*Casearia tomentosa*), Kachanar (*Bauhinia variegata*), Apamarg (*Achyranthus aspera*), Bibidang (*Embelia robusta*), Bantulsi (*Grewia rothii*), Dhawai (*woodfordia floribunda*), Chirota (*Cassia tora*), Baibirang (*Embelia tejeramcottam*) etc. Mahul (*Bauhinia vahlii*), Palasbel (*Butea superb*), Ramdatoon (*Similax macrophylla*), Paibel (*Combretum decandrum*), Raoni (*Acacia pennata*), Dokarbel (*Cissus repanda*) etc. are climbers recorded from the protected area.

AND WHEREAS, important grasses and bamboo from the Achanakmar Tiger Reserve are Bans (*Dendrocalamus strictus*), Chhira (*Themeda ouadrivalvis*), Chhir (*Imperata cylindrical*), Mushel (*Iseilema nervosum*), Bhurbhuri (*Eragrostis tenella*), Khas (*Vetivera zizanioides*), Kusal (*Heteropogon contortus*), Sabai (*Eulaiopsis binata*) etc. Safed musli (*Chlorophytum tuberosum*), Kali musli (*Curuligo orchioides*), Tikhur (*Curcuma unguifoliya*), Kewanch (*Macuna pruriens*), Marorfali (*Helictres isora*), Satavar (*Asparagus racemosus*) etc. the medicinal plants recorded from the Achanakmar Tiger Reserve.

AND WHEREAS, Achanakmar Tiger Reserve is very rich in wild life as it has very vast grasslands which provides an ideal habitat for herbivore and has a rich potential prey base for Tiger, Panthers and other carnivore. The important fauna recorded from the Tiger Reserve are Bagh (*Panthera tigris*), Tendua (*Panthera pardus*), Bhalu (*Melursus ursinus*), Wild dog (*Cuon alpines*), Gaur (*Bos gaurus*), Cheetal (*Axix axis*), Sambar (*Cervus unicolor*), Barking deer (*Muntiacus muntjak*), Chousinga (*Tetracerus quadricornis*), Wild pig (*Sus scrofa*), Jackal (*Canis aureus*), Ratel (*Millivora capensis*), Ajghar (*Python molurus*), Moniter Lizard (*Varanus moniter*),

Nag (*Naja naja*), Ahiraj (*Bungarus fasciatus*), Russell's viper (*Vipera russelli*) etc. The major bird species found in the protected area are Bater (*Perdicula asiatica*), Harial (*Treron phoenicoptera*), Peacock (*Pavo cristatus*), Sarus (*Grus atigona*), Teetar (Kala) (*Frankolinus pictus*), Finga (*Dicrurus leucophaeus*), Zakki (*Muscicapa daurika*), Koel (*Eudynamys scolopacea*), Pachanak (*Lanius vittatus*), Kotwal (*Dicrurus macrocercus*), Mayur, Mor (*Pavo cristatus*), Pilak (*Oriolus kundoo*), Katphodwa (*Dinopium benghalense*), Shama (*Copsyshus malabaricus*), Shakari munia (*Lonchura striata*), Nilranga (*Cyornis tickelliae*), Chittkabara (Padki) (*Streptopelia chinensis*), Pulak (*Calandrella brachydactyla*), Lybar Tota (*Psittacula krameri*), Neelkanth (*Caracias benghalensis*) etc.

AND WHEREAS, important endangered and threatened species from the Achanakmar Tiger Reserve are Gudmar (*Gymnema sylvestris*) Hadjod (*Cissus quadrangularis*, Satpuda leopard gecko (*Eublepharis hardwickii*), Banded Krait (*Bungarus fasciatus*), Pangolin (*Manis crassicaudata*), Wolf (*Canis lupus pallipes*), Chausingha or Four horned antelope (*Tetracerus quadricornis*), Indian Wild Dog (*Cuon alpines*).

AND WHEREAS, The Achanakmar Tiger Reserve is cradled and nested in the unique feature of Achanakmar-Amarkantak Biosphere Reserve. The ATR is at the confluence of many conduits (corridors) of tiger linking it to the major tiger reserves in the region and is a hub of tiger activity. Apart from this the area has rich historical and cultural attributes elevating and enhancing the ecotourism potential in the area. The area also has attributes like education and research which is yet to be promoted in the right persecution.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) read with sub rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies the area up to one

kilometre from the boundary of the protected area of Achanakmar Tiger Reserve in the state of Chhattisgarh (as shown in the map annexed to the notification as Annexure A), as the Eco-sensitive Zone (herein after called as the Eco-sensitive Zone), namely.

1. Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone. –

- (1) The Eco-sensitive Zone is spread over an area of **438.951 square kilometres** of an extent ranging from **0 (zero) kms to 8.49 kms** from the protected area. Extent of ESZ in different directions are:

	4.1 kms
North- East	3.8 kms
East	6.2 kms
South-East	5.3 kms
South	1.0 kms
South-West	8.49 kms
West	2.1 kms
North-West	0.0 kms

Zero ESZ extent at North-west direction is due to adjoining of interstate border with Madhya Pradesh.

- (2) The boundary description of Achanakmar Tiger Reserve and its Eco-sensitive Zone is given in **Annexure-I**.
- (3) The map of the Eco-sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes is appended as **Annexure-II A-E**.
- (4) The geo-coordinates of Achanakmar Tiger Reserve and its Eco-sensitive Zone are given in table **A & B** of **Annexure-III**.
- (5) The list of villages falling within the Eco-sensitive Zone is appended as **Annexure-IV**.

2. Zonal Master Plan for Eco-sensitive Zone.-

- (i) The State Government shall, for the purpose of the Eco-sensitive Zone prepare, a Zonal Master Plan, within a period of two years from the date of publication of final notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of the Competent authority of State.
- (ii) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.
- (iii) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following State Departments, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan, namely:-
- (i) Environment;
 - (ii) Forest;
 - (iii) Urban Development;
 - (iv) Tourism;
 - (v) Municipal;
 - (vi) Revenue;

- (vii) Agriculture;
 - (viii) Uttar Pradesh State Pollution Control Board;
 - (ix) Irrigation; and
 - (x) Public Works Department.
- (iv) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.
- (v) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.
- (vi) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies and also with supporting maps. The Plan shall be supported by Maps giving details of existing and proposed land use features.
- (vii) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited, regulated activities listed in the Table in paragraph 4 and also ensure and promote eco-friendly development for livelihood security of local communities.
- (viii) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.
- (ix) The said Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone so as to ensure eco-friendly development for livelihood security of local communities.
- (x) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

3. Measures to be taken by the State Government - The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

(1) Land use. –

- (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for major commercial or major residential complex or industrial activities.
- (b) Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purpose other than that specified at part (a), within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of Central/State Government as applicable and vide provisions of this Notification, to meet the residential needs of the local residents such as:
 - (i) Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;
 - (ii) Construction and renovation of infrastructure and civic amenities;
 - (iii) Small scale industries not causing pollution;
 - (iv) Cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and
 - (v) Promoted activities and given under para 4.

- (c) Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):
 - (d) Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:
 - (e) Provided also that the above correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.
 - (f) Efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.
- (2) **Natural water bodies.**—The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.
- (3) **Tourism/ Eco-tourism**
- (a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-Sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone.
 - (b) The Eco-Tourism Master Plan shall be prepared by Department of Tourism in consultation with State Departments of Environment and Forests.
 - (c) The Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.
 - (d) The activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:—
 - (i) No new construction of hotels and resorts shall be allowed within 1 km from the boundary of the Achanakmar Tiger Reserve or upto the extent of the ESZ whichever is nearer. However, beyond the distance of 1 km from the boundary of the Tiger Reserve till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for Eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan.
 - (ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism;
 - (iii) Until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel /resort or commercial establishment construction is permitted within ESZ area.
- (4) **Natural heritage.**— All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.

- (5) **Man-made heritage sites.**- Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be indentified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part Zonal Master Plan.
- (6) **Noise pollution.** - Prevention and Control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone shall be complied with in accordance with Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment (Protection) Act, 1986 and amendments thereto.
- (7) **Air pollution.**- Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be complied with in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and rules made thereunder and amendments thereto.
- (8) **Discharge of effluents.** - Discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environmental (Protection) Act, 1986 and rules made thereunder or standards stipulated by State Government whichever is more stringent.
- (9) **Solid wastes.** - Disposal and Management of solid wastes shall be as under:-
- The solid waste disposal and management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016 and published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change vide notification number S.O. 1357 (E), dated the 8th April, 2016; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone.
 - Safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-Sensitive Zone.
- (10) **Bio-medical waste.** – Bio medical waste management shall be as under:
- The bio-medical waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* Notification number GSR 343 (E), dated the 28th March, 2016.
 - Safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Bio-medical wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-Sensitive Zone.
- (11) **Plastic Waste Management.** - The Plastic Waste Management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 340(E), dated the 18th March, 2016, as amended from time to time.
- (12) **Construction and Demolition Waste Management.** - The Construction and Demolition Waste Management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change vide notification number G.S.R. 317(E), dated the 29th March, 2016, as amended from time to time.
- (13) **E-waste.** - The E- Waste Management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and as amended from time to time.
- (14) **Vehicular traffic.** – The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as

the Zonal Master plan is prepared and approved by the Competent Authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

(15) Vehicular Pollution. - Prevention and control of Vehicular Pollution shall be complied with in accordance with applicable laws. Efforts to be made for use of cleaner fuel for example CNG, LPG, etc.

(16) Industrial Units. –

(i) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be allowed to be set up within the Eco-sensitive Zone.

(ii) Only non-polluting industries shall be allowed within ESZ as per classification of Industries in the Guidelines issued by Central Pollution Control Board in February 2016, unless so specified in this notification. In addition, non-polluting cottage industries shall be promoted.

(17) Protection of Hill Slopes. - The protection of hill slopes shall be as under:

(a) The Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted.

(b) No construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall be permitted.

4. List of activities prohibited or to be regulated within the Eco-sensitive Zone.-

All activities in the Eco sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) and the rules made there under including the Coastal Regulation Zone (CRZ), 2011 and the Environmental Impact Assessment (EIA) Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927), the Wildlife (Protection) Act 1972 (53 of 1972), and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

S. No.	Activity	Description
A. Prohibited Activities		
1.	Commercial Mining	<p>a) All new and existing (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units are prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing and for other activities.</p> <p>b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated 04.08.2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and dated 21.04.2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.</p>
2.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	<p>No new industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive zone shall be permitted.</p> <p>Only non-polluting industries shall be allowed within ESZ as per classification of Industries in the Guidelines issued by Central Pollution Control Board in February 2016, unless so specified in this notification. In addition, non-polluting cottage industries shall be promoted.</p>
3.	Establishment of major	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.

	hydroelectric project.	
4.	Use or production or processing of any hazardous substances.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
5.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws
6.	Setting of new saw mills.	No new or expansion of existing saw mills shall be permitted within the Eco-sensitive Zone.
7.	Setting up of brick kilns.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws
B. Regulated Activities		
8.	Commercial establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the Protected Area or upto the extent of Eco-sensitive zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for Eco-tourism activities. Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the protected Area or upto the extent of Eco-sensitive zone whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable.
9.	Construction activities	(a) No new commercial construction of any kind shall be permitted within one Kilometer from the boundary of the Protected Area or upto extent of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer: (b) Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their use including the activities listed in sub paragraph (1) of paragraph 3 as per building byelaws to meet the residential needs of the local residents such as: (i) Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads; (ii) Construction and renovation of infrastructure and civic amenities; (iii) Small scale industries not causing pollution termed as per Classification done by Central Pollution Control Board of February 2016; (iv) Cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including homestays; and (v) Promoted activities listed in this Notification. (c) Provided that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any. (d) Beyond one kilometer it shall be regulated as per the Zonal Master Plan.
10.	Small scale non polluting industries.	Non polluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board in February 2016 and non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted by the competent Authority.
11.	Felling of Trees	a) There shall be no felling of trees on the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the competent authority in the State Government. b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made

		there under.
12.	Collection of Forest produce or Non-Timber Forest Produce (NTFP).	Regulated under applicable laws.
13.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures	Regulated under applicable law. Underground cabling may be promoted.
14.	Infrastructure including civic amenities	Shall be done with mitigation measures, as per applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
15.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Shall be done with mitigation measures, as per applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
16.	Undertaking other activities related to tourism like over flying the ESZ area by hot air balloon, helicopter, drones, Microlites, etc.	Regulated under applicable law
17.	Protection of Hill Slopes and river banks	Regulated under applicable laws
18.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial purpose under applicable laws.
19.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted under applicable laws for use of locals.
20.	Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporate, companies.	Regulated under applicable laws
21.	Discharge of treated waste water/effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water/effluents shall be avoided to enter into the water bodies. Efforts to be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise the discharge of treated waste water/effluent shall be regulated as per applicable laws.
22.	Commercial extraction of surface and ground water	Regulated under applicable law.
23.	Open Well, Bore Well etc. for agriculture or other usage	Regulated and the activity should be strictly monitored by the appropriate authority.
24.	Solid Waste Management.	Regulated under applicable laws
25.	Introduction of Exotic species.	Regulated under applicable laws.
26.	Eco-tourism	Regulated under applicable laws
27.	Use of polythene bags.	Use of polythene bags are permitted within the Eco Sensitive Zone. However, based on specific requirement, it shall be regulated under applicable laws.
28.	Commercial Sign boards and hoardings.	Regulated under applicable laws.
C. Promoted Activities		
29.	Rain water harvesting	Shall be actively promoted.
30.	Organic farming	Shall be actively promoted.
31.	Adoption of green technology for	Shall be actively promoted.

	all activities	
32.	Cottage industries including village artisans, etc.	Shall be actively promoted.
33.	Use of renewable energy and fuels	Bio gas, solar light etc. to be actively promoted
34.	Agro-Forestry	Shall be actively promoted.
35.	Plantation of Horticulture and Herbals	Shall be actively promoted
36.	Use of eco-friendly transport	Shall be actively promoted.
37.	Skill Development	Shall be actively promoted.
38.	Restoration of Degraded Land/ Forests/ Habitat	Shall be actively promoted.
39.	Environmental Awareness	Shall be actively promoted.

5. Monitoring Committee :

The Central Government constitutes a Monitoring Committee, for effective monitoring of the provisions of this Notification under sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 comprising of the following, namely:-

1	Collector Mungeli	Chairman;
2	An expert in the area of ecology and environment to be nominated by the Govt. of Chhattisgarh for a period of one year.	Member;
3	Chief Executive Officer, District Panchayat, Mungeli	Member;
4	Representative of Non-Governmental Organization working in the field of natural conservation (including heritage conservation) to be nominated by the Government of Chhattisgarh for a period of one year in each case.	Member;
5	support Engineer , Public Works Department , Mungeli	Member;
6	Superintendent Engineer Public Health Engineering, Mungeli	Member;
7	Executive Engineer, Chhattisgarh environment conservation board	Member;
8	Member State Biodiversity Board	Member;
9	Asst. Director, Achanakmar Tiger Reserve (Core) Kargi Road, Kota	Member;
10	Assent . Director, Achanakmar Tiger Reserve (Buffer) Lormi	Member;
11	Deputy Director, Achanakmar Tiger Reserve, Lormi	Member Secretary.

6. Terms of Reference. –

- (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.
- (2) The tenure of the Monitoring committee shall be for three years or till the re-constitution of the new Committee by the State Government and subsequently the Monitoring Committee would be constituted by the State Government.
- (3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinized by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.

- (4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment, Forest and Climate Change number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinized by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.
- (5) The Member Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986 against any person who contravenes the provisions of this notification.
- (6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.
- (7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31st March of every year by the 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State as per proforma given in Annexure IV.
- (8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. The provisions of this notification are subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or the High Court or National Green Tribunal.

[F. No 25/51/2017-ESZ]

LALIT KAPUR, Scientist 'G'

Annexure – I

BOUNDARY DESCRIPTION OF ACHANAKMAR TIGER RESERVE

North - Common boundary of Bilaspur and Dindori district of Madhya Pradesh, Common point of RF compt. no. 407 and 416 to southern boundary of RF compt. no. 259 and western boundary of RF compt. no. 260, 265, 266 of Lamani range & southern boundary of PF compt. no. 1215, 1214, 1213, 1218 of Gaurella range.

East - Western boundary of the PF compt. No. 1205, 1207 & 1133 of Gaurella range, Western boundary of PF compt. No. 1135, 1139, 1141, 1150, 1151 south-west boundary of PF compt. No. 1159, southern boundary of PF compt. No. 1159, southern boundary of PF compt. No. 1163 of Belgahana range, western boundary of village Sargod and Parasapani and common boundary of Bilaspur and Marwahi forest division up to eastern boundary of compt. No. 172.

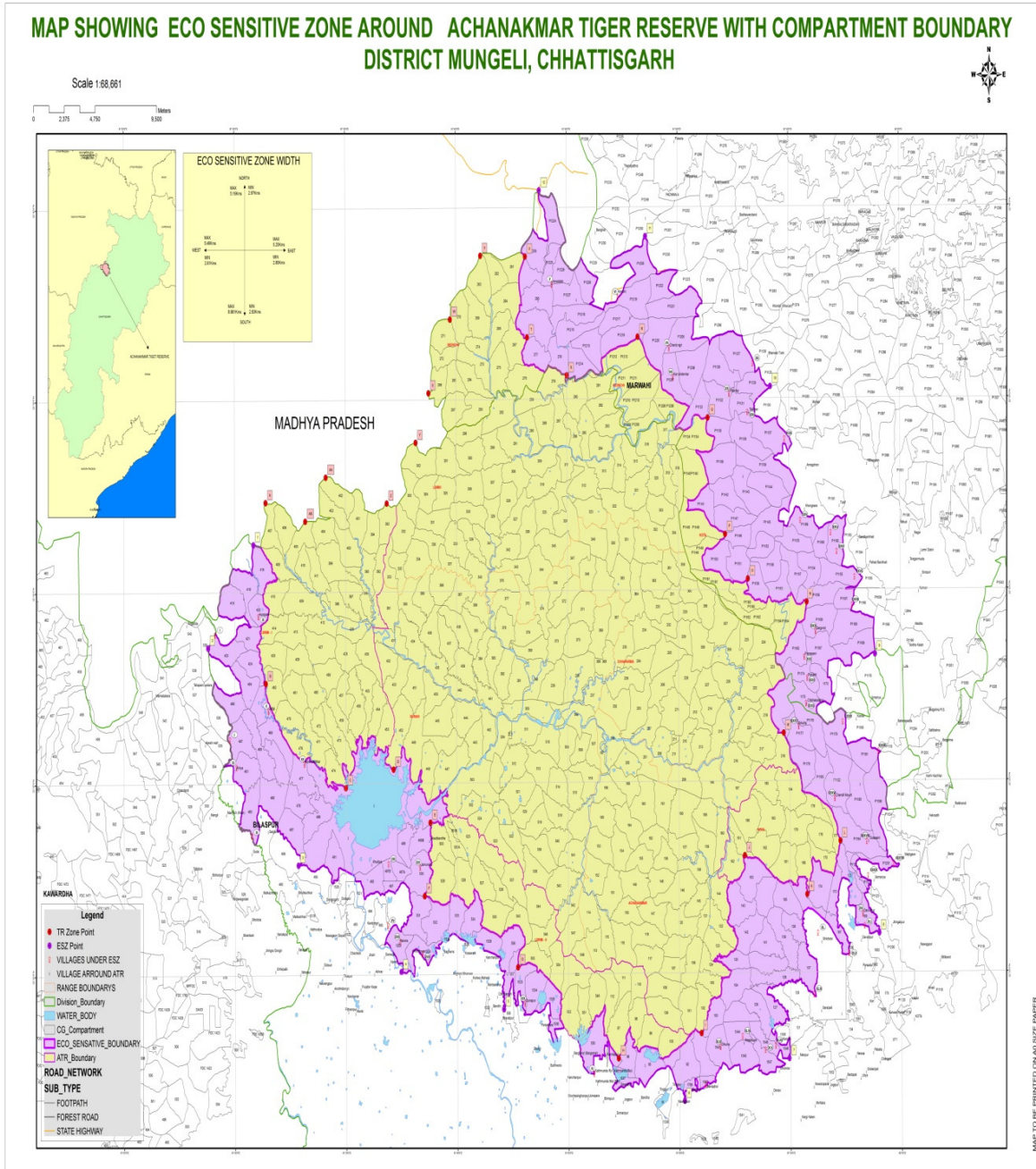
South - Western boundary of RF compt. No. 172 of Lormi range, northern boundary of RF compt. No. 168, 173, 174, 166, 165, 164, 163, 143, western boundary of RF compt. No. 142, 125, 104, then northern boundary of RF compt. No. 103, 93, 94, 96 and PF compt. No. 1537, eastern boundary of village Ramhepur, northern boundary of PF compt. No. 550, northern boundary of village Aghariya Bargan, northern boundary of RF compt. No. 1535, 1534, northern boundary of village Gunapur, northern boundary of PF compt. No.

1533, RF 556 PF 1529 RF 534, 537, 532, 499 eastern boundary of RF compt. No. 499 and 530 and eastern boundary of Maniyari Tank up to meeting point of RF compt. No. 502

East - Northern boundary of Maniyari Tank that starts from meeting point of RF compt. No. 502, to meeting point of 474, northern boundary of RF compt. No. 474 and forest village Bijrakachhar, eastern boundary of RF compt. No. 475, 476, 469, 463 village Salgi, RF compt. No. 424, 421, 420 forest village Aurapani and RF compt. No. 416 which meets the common boundary of Bilaspur and Dindori district.

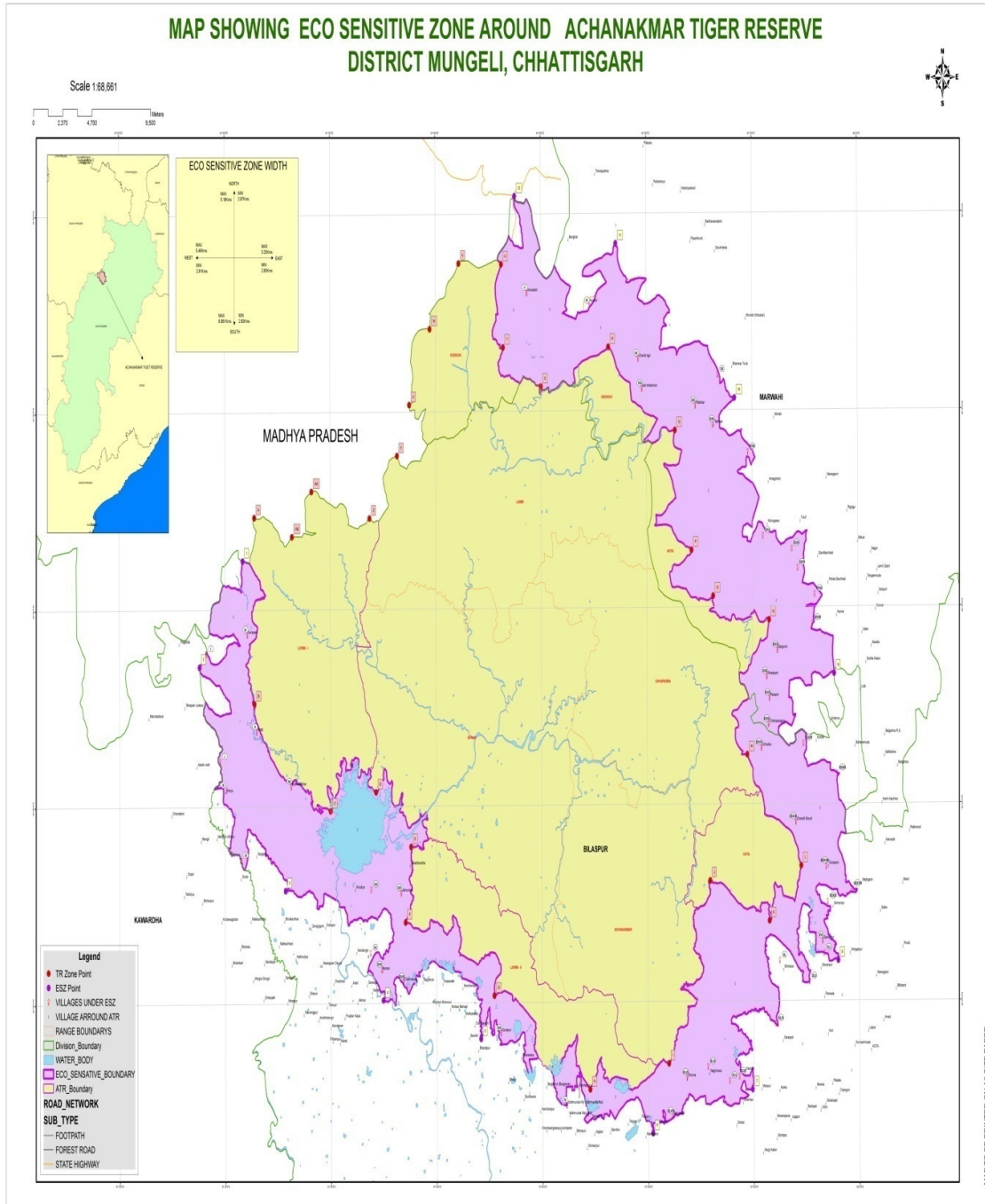
Annexure – II A

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF ACHANAKMAR TIGER RESERVE ALONG WITH COMPARTMENT BOUNDARY



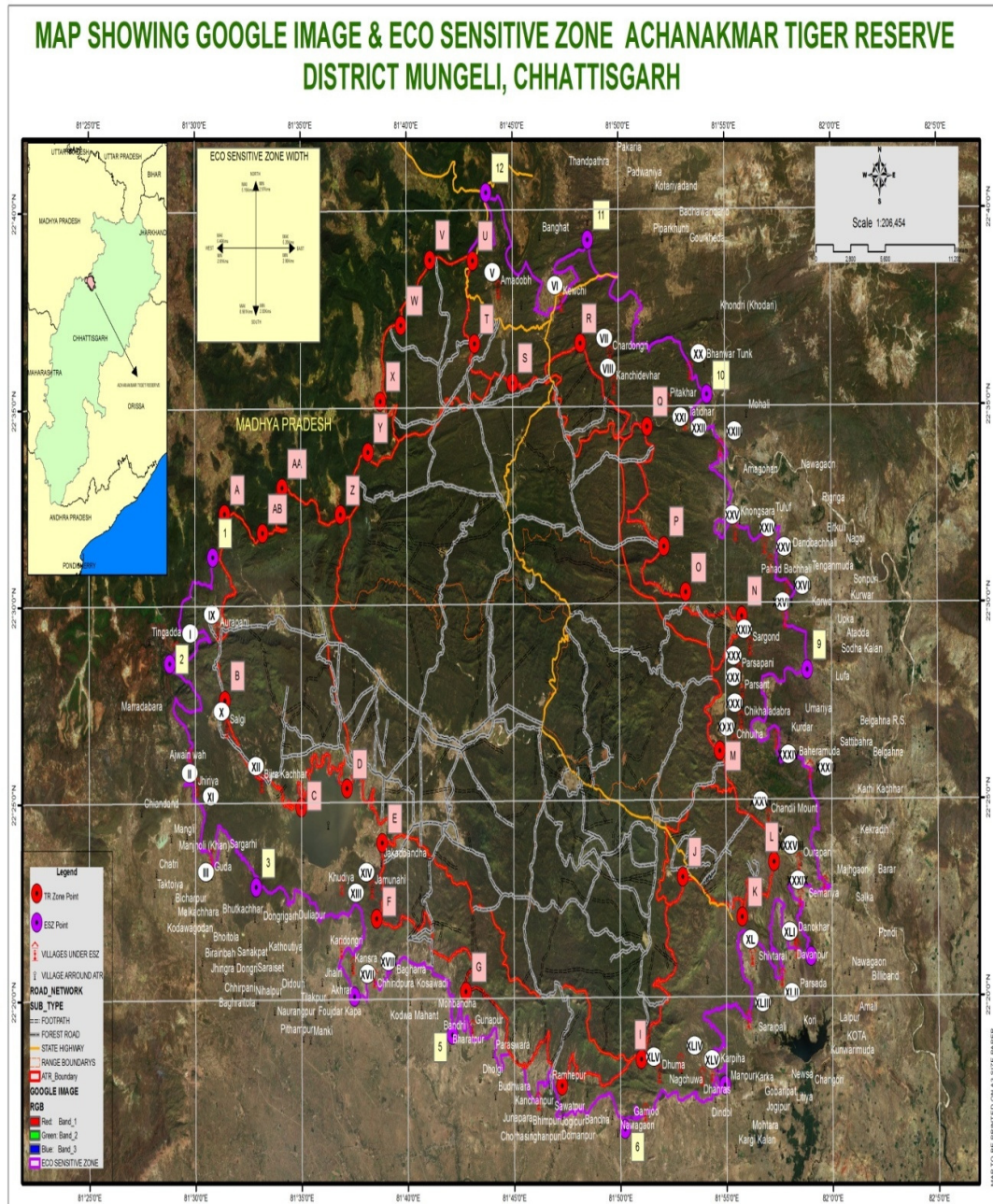
Annexure – II B

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF ACHANAKMAR TIGER RESERVE ALONG WITH PROMINENT POINTS AND GEO-COORDINATES



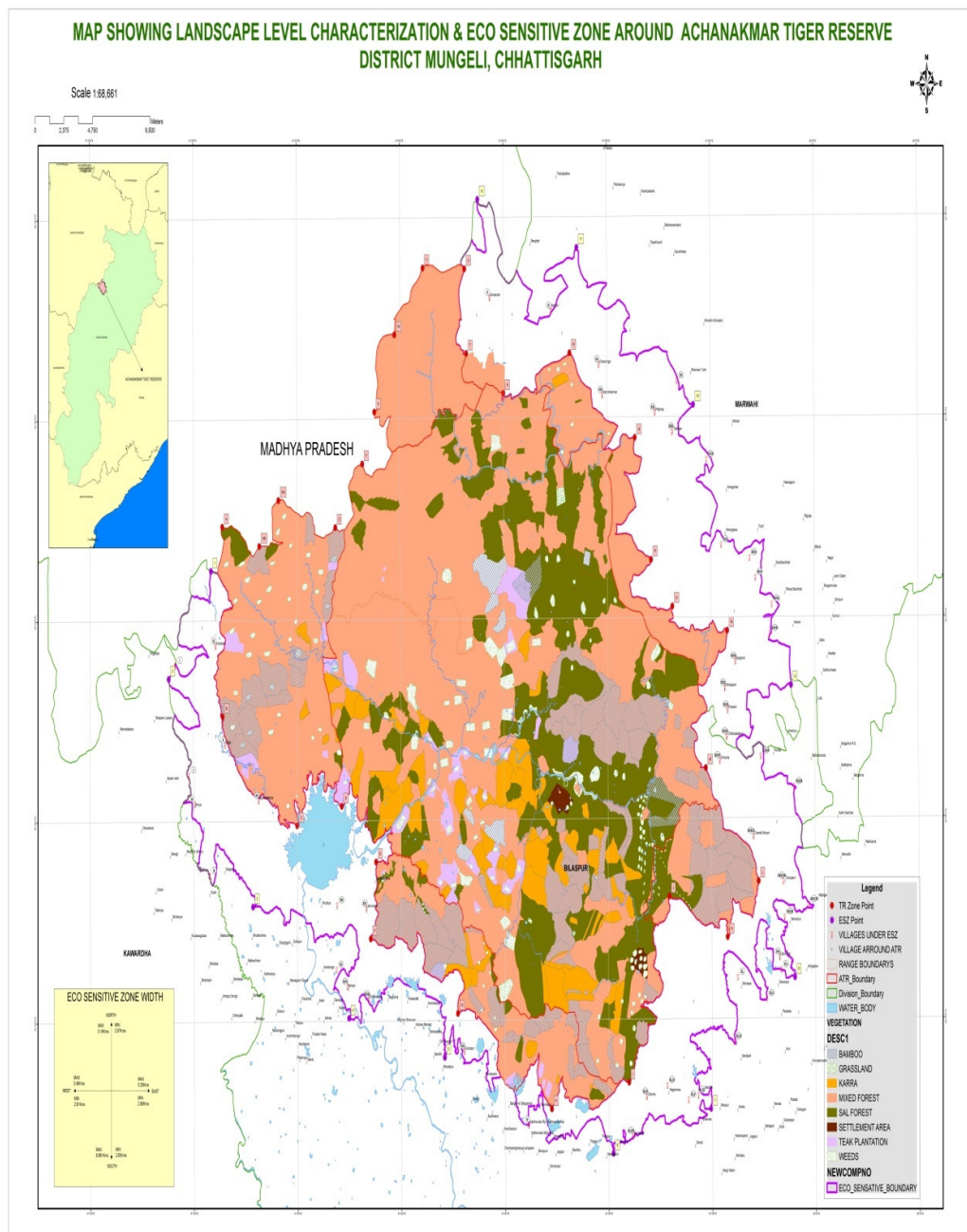
ANNEXURE- IIC

**GOOGLE EARTH IMAGE OF ECO-SENSITIVE ZONE OF ACHANAKMAR TIGER RESERVE
RESERVE ALONG WITH PROMINENT LOCATIONS**



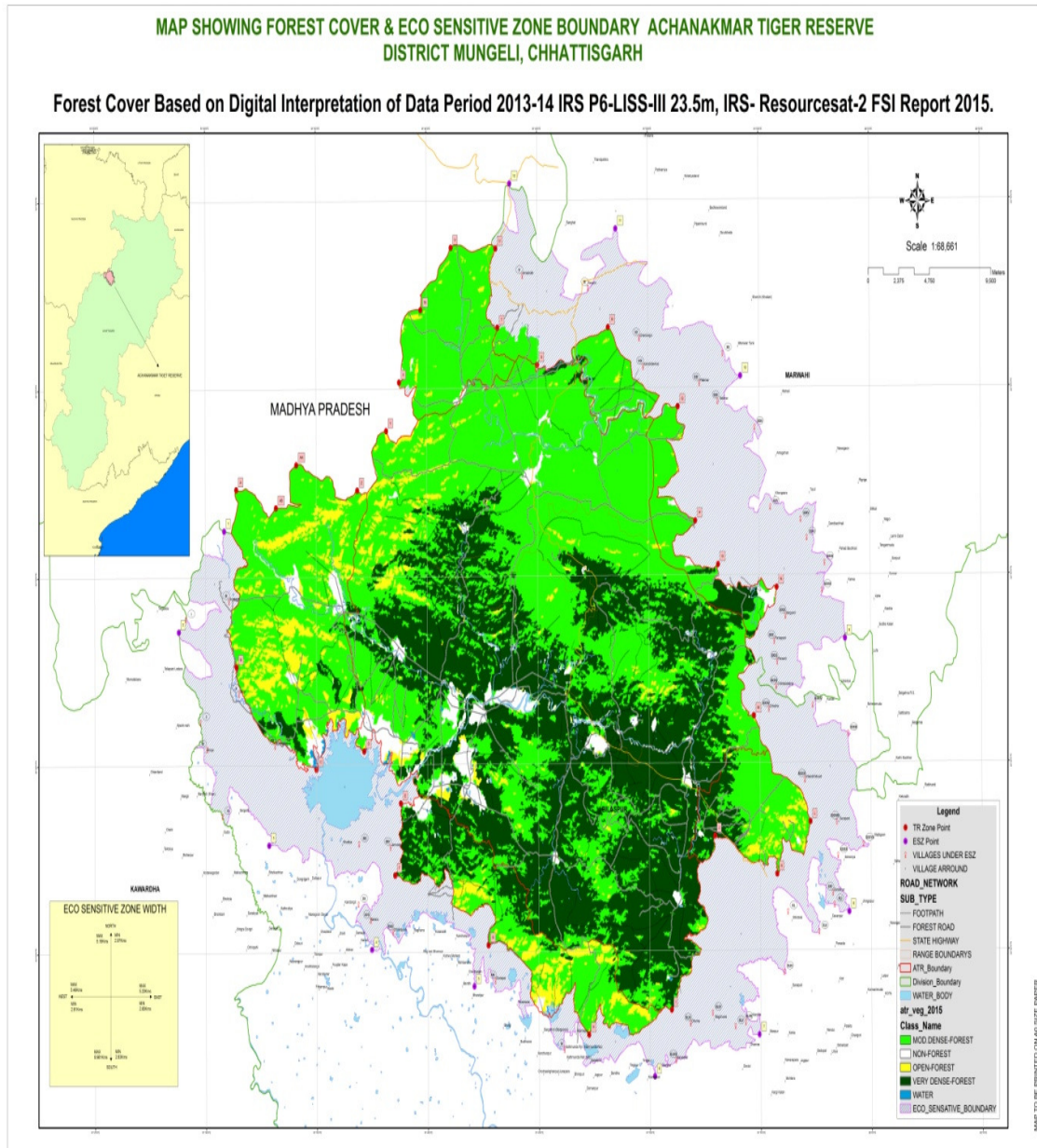
ANNEXURE- IID

LANDSCAPE MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF ACHANAKMAR TIGER RESERVE



ANNEXURE- III

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF ACHANAKMAR TIGER RESERVE SHOWING FOREST COVER



ANNEXURE-III

TABLE A: Latitude-Longitude of Prominent Locations of Achanakmar Tiger Reserve

S.N	TIGER RESERVE	DISCRIPTION	TYPE	LATITUDE	LONGITUDE
1	Achanakmar TR	TR Zone Point	A	22° 32' 21.456" N	81° 31' 23.680" E
2	Achanakmar TR	TR Zone Point	B	22° 27' 38.059" N	81° 31' 23.755" E
3	Achanakmar TR	TR Zone Point	C	22° 24' 54.293" N	81° 34' 59.460" E
4	Achanakmar TR	TR Zone Point	D	22° 25' 22.865" N	81° 37' 8.696" E
5	Achanakmar TR	TR Zone Point	E	22° 23' 59.395" N	81° 38' 47.757" E
6	Achanakmar TR	TR Zone Point	F	22° 22' 4.384" N	81° 38' 31.777" E
7	Achanakmar TR	TR Zone Point	G	22° 20' 12.165" N	81° 42' 43.548" E
8	Achanakmar TR	TR Zone Point	H	22° 17' 48.124" N	81° 47' 14.938" E
9	Achanakmar TR	TR Zone Point	I	22° 18' 26.855" N	81° 50' 58.858" E
10	Achanakmar TR	TR Zone Point	J	22° 23' 4.628" N	81° 52' 57.290" E
11	Achanakmar TR	TR Zone Point	K	22° 22' 2.930" N	81° 55' 45.450" E
12	Achanakmar TR	TR Zone Point	L	22° 23' 26.293" N	81° 57' 15.790" E
13	Achanakmar TR	TR Zone Point	M	22° 26' 16.094" N	81° 54' 43.586" E
14	Achanakmar TR	TR Zone Point	N	22° 29' 41.115" N	81° 55' 46.643" E
15	Achanakmar TR	TR Zone Point	O	22° 30' 18.099" N	81° 53' 8.040" E
16	Achanakmar TR	TR Zone Point	P	22° 31' 28.149" N	81° 52' 6.730" E
17	Achanakmar TR	TR Zone Point	Q	22° 34' 30.736" N	81° 51' 20.476" E
18	Achanakmar TR	TR Zone Point	R	22° 36' 38.108" N	81° 48' 11.714" E
19	Achanakmar TR	TR Zone Point	S	22° 35' 38.675" N	81° 44' 59.844" E
20	Achanakmar TR	TR Zone Point	T	22° 36' 38.413" N	81° 43' 12.344" E
21	Achanakmar TR	TR Zone Point	U	22° 38' 45.112" N	81° 43' 7.451" E
22	Achanakmar TR	TR Zone Point	V	22° 38' 46.726" N	81° 41' 6.336" E
23	Achanakmar TR	TR Zone Point	W	22° 37' 7.244" N	81° 39' 43.814" E
24	Achanakmar TR	TR Zone Point	X	22° 35' 11.880" N	81° 38' 45.241" E
25	Achanakmar TR	TR Zone Point	Y	22° 33' 54.426" N	81° 38' 10.046" E
26	Achanakmar TR	TR Zone Point	Z	22° 32' 19.707" N	81° 36' 51.513" E
27	Achanakmar TR	TR Zone Point	AA	22° 33' 0.802" N	81° 34' 6.528" E
28	Achanakmar TR	TR Zone Point	AB	22° 31' 52.093" N	81° 33' 11.038" E

TABLE B: Latitude-Longitude of Prominent Locations of Eco-sensitive zone of Achanakmar Tiger Reserve

S.N.	TIGER RESERVE	DISCRIPTION	TYPE	LATITUDE	LONGITUDE
1	Achanakmar TR	ESZ Point	1	22° 31' 15.514" N	81° 30' 50.580" E
2	Achanakmar TR	ESZ Point	2	22° 28' 34.189" N	81° 28' 47.693" E
3	Achanakmar TR	ESZ Point	3	22° 22' 53.281" N	81° 32' 51.156" E
4	Achanakmar TR	ESZ Point	4	22° 20' 5.823" N	81° 37' 28.533" E
5	Achanakmar TR	ESZ Point	5	22° 19' 6.496" N	81° 42' 5.344" E
6	Achanakmar TR	ESZ Point	6	22° 16' 40.823" N	81° 50' 12.801" E
7	Achanakmar TR	ESZ Point	7	22° 17' 46.302" N	81° 54' 56.204" E
8	Achanakmar TR	ESZ Point	8	22° 21' 1.807" N	81° 58' 59.977" E
9	Achanakmar TR	ESZ Point	9	22° 28' 18.774" N	81° 58' 50.994" E
10	Achanakmar TR	ESZ Point	10	22° 35' 19.236" N	81° 54' 9.729" E
11	Achanakmar TR	ESZ Point	11	22° 39' 15.657" N	81° 48' 32.916" E

12	Achanakmar TR	ESZ Point	12	22° 40' 28.600" N	81° 43' 45.558" E
----	---------------	-----------	----	-------------------	-------------------

ANNEXURE-IV

LIST OF VILLAGES FALLING IN PROTECTED AREA WITH GPS POINT

S.N	Point_ID	Name_of_Village	Tahsil	District	Latitude_DMS	Longitude_DMS
1	I	Tingadda	Lormi	Mungeli	22° 28' 54.517" N	81° 29' 6.875" E
2	II	Ajwain wah	Lormi	Mungeli	22° 26' 10.369" N	81° 29' 46.060" E
3	III	Guda	Lormi	Mungeli	22° 23' 39.938" N	81° 30' 45.195" E
4	IV	Kathmunda	Lormi	Mungeli	22° 17' 24.377" N	81° 46' 8.692" E
5	V	Amadob	Gourlla	Bilaspur	22° 38' 1.137" N	81° 44' 20.042" E
6	VI	Kewchi	Gourlla	Bilaspur	22° 37' 40.856" N	81° 47' 18.273" E
7	VII	Chardongri	Gourella	Bilaspur	22° 36' 19.953" N	81° 49' 36.404" E
8	VIII	Kanchidevhar	Gourella	Bilaspur	22° 35' 34.274" N	81° 49' 46.694" E
9	IX	Aurapani	Lormi	Mungeli	22° 29' 23.189" N	81° 31' 3.682" E
10	X	Salgi	Lormi	Mungeli	22° 26' 55.241" N	81° 31' 30.448" E
11	XI	Jhiriya	Lormi	Mungeli	22° 25' 26.822" N	81° 30' 4.090" E
12	XII	Bijra Kachhar	Lormi	Mungeli	22° 25' 31.732" N	81° 33' 7.781" E
13	XIII	Khudiya	Lormi	Mungeli	22° 22' 54.875" N	81° 36' 54.303" E
14	XIV	Jamunahi	Lormi	Mungeli	22° 22' 49.265" N	81° 38' 19.577" E
15	XV	Karidongri	Lormi	Mungeli	22° 21' 18.466" N	81° 36' 52.443" E
16	XVI	Danokhar	Lormi	Mungeli	22° 21' 31.809" N	81° 58' 15.985" E
17	XVII	Kansra	Lormi	Mungeli	22° 20' 52.775" N	81° 37' 26.020" E
18	XVIII	Chhindpura	Lormi	Mungeli	22° 20' 33.735" N	81° 38' 25.970" E
19	XIX	Gunapur	Lormi	Mungeli	22° 19' 15.166" N	81° 43' 2.256" E
20	XX	Bhanwar Tunk	Gourella	Bilaspur	22° 35' 55.020" N	81° 53' 22.100" E
21	XXI	Pitakhar	Gourella	Bilaspur	22° 35' 7.669" N	81° 52' 18.636" E
22	XXII	Tatidhar	Gourella	Bilaspur	22° 34' 38.827" N	81° 53' 7.875" E
23	XXIII	Amagohan	Kota	Bilaspur	22° 33' 56.865" N	81° 54' 47.610" E
24	XXIV	Tuluf	Kota	Bilaspur	22° 31' 29.341" N	81° 56' 51.961" E
25	XXV	Khongsara	Kota	Bilaspur	22° 31' 49.172" N	81° 55' 29.837" E
26	XXVI	Dandbachhali	Kota	Bilaspur	22° 30' 59.797" N	81° 57' 8.164" E
27	XXVII	Pahad Bachhali	Kota	Bilaspur	22° 30' 19.837" N	81° 57' 56.089" E
28	XXVIII	Karwa	Kota	Bilaspur	22° 29' 35.667" N	81° 57' 49.264" E
29	XXIX	Sargond	Kota	Bilaspur	22° 28' 54.724" N	81° 56' 10.085" E
30	XXX	Parsapani	Kota	Bilaspur	22° 28' 14.811" N	81° 55' 39.581" E

31	XXXI	Parsant	Kota	Bilaspur	22° 27' 41.863" N	81° 55' 47.246" E
32	XXXII	Chikhaladabra	Kota	Bilaspur	22° 27' 2.049" N	81° 55' 44.039" E
33	XXXIII	Baheramuda	Kota	Bilaspur	22° 25' 46.387" N	81° 58' 58.527" E
34	XXXIV	Kurdar	Kota	Bilaspur	22° 26' 32.739" N	81° 57' 22.858" E
35	XXXV	Chhuiha	Kota	Bilaspur	22° 26' 26.169" N	81° 55' 24.119" E
36	XXXVI	Chandli Mount	Kota	Bilaspur	22° 24' 32.933" N	81° 57' 1.139" E
37	XXXVII	Majhgaon	Kota	Bilaspur	22° 22' 49.961" N	81° 59' 39.099" E
38	XXXVIII	Ourapani	Kota	Bilaspur	22° 23' 25.265" N	81° 58' 27.002" E
39	XXXIX	Semariya	Kota	Bilaspur	22° 22' 31.570" N	81° 58' 30.240" E
40	XL	Shivtarai	Kota	Bilaspur	22° 21' 2.404" N	81° 56' 14.143" E
41	XLI	Davanpur	Kota	Bilaspur	22° 21' 13.194" N	81° 58' 20.442" E
42	XLII	Parsada	Kota	Bilaspur	22° 20' 30.103" N	81° 57' 38.457" E
43	XLIII	Saraipali	Kota	Bilaspur	22° 19' 26.151" N	81° 56' 3.352" E
44	XLIV	Nagchuwa	Kota	Bilaspur	22° 18' 21.541" N	81° 52' 49.686" E
45	XLV	Dhanras	Kota	Bilaspur	22° 17' 59.795" N	81° 53' 51.114" E
46	XLVI	Dhuma	Kota	Bilaspur	22° 18' 4.901" N	81° 51' 49.787" E
47	XLVII	Karpiha	Kota	Bilaspur	22° 18' 6.361" N	81° 54' 19.161" E
48	XLVIII	Bansajhal	Kota	Bilaspur	22° 17' 6.189" N	81° 51' 10.188" E

Above All Villages are Revenue Villages

() Exact type of villages to be included e.g. Revenue Village, Forest Village, Un-classified Village.*

DMS: Degree, Minutes and Seconds.

Annexure –V

Performa of Action Taken Report: - Eco-sensitive Zone Monitoring Committee.-

1. Number and date of Meetings
2. Minutes of the meetings: Mention main noteworthy points. Attach Minutes of the meeting as separate Annexure.
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan
4. Summary of cases dealt for rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006. Details may be attached as separate Annexure.
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006. Details may be attached as separate Annexure.
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.